PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 191 ● भिलाई, गुरुवार 05 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रोहित शेट्टी फायरिंग मामला : हमले से पहले बिश्नोई गैंग ने की थी रेकी

मुंबई। निर्देशक और प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस ने पाया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े आरोपियों ने हमले से पहले रोहित शेट्टी के घर और आसपास के इलाके की कई दिनों तक रेकी की थी। जांच में सामने आया कि रेकी उसी स्कूटर से की गई थी, जिसका इस्तेमाल फायरिंग के दौरान भागने के लिए किया गया। अज्ञात शूटर ने पांच राउंड फायरिंग की और उसी स्कूटर पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। वह विले पार्ले रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां स्कूटर छोड़कर ट्रेन से मुंबई से बाहर निकल गया। पुलिस के अनुसार, अपराध में इस्तेमाल स्कूटर पुणे से 30 हजार रुपए में खरीदा गया था।

दिल्ली-एनसीआर रेड जोन में; फिर बिगड़ी हवा, कोहरे और गलन से बढ़ी परेशानी

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को मिली महज एक दिन की राहत के बाद वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर रूप से बिगड़ गई है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) रेड जोन में पहुंच गया है, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और यूपीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 334, चांदनी चौक में 323, नेहरू नगर में 329, ओखला फेज-2 में 310, पटपड़गंज में 301 और आर.के.पुरम में 300 दर्ज किया गया। पंजाबी बाग में एक्यूआई 298, रोहिणी में 281 और अशोक विहार में 287 रहा। वहीं आयानगर में एक्यूआई 149 और पूसा (आईएमडी) में 187 दर्ज किया गया, जो अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति दर्शाता है। गाजियाबाद के हालात भी चिंताजनक बने हुए हैं। इंदिरापुरम में एक्यूआई 332, लोनी में 314 और वसुंधरा में 318 रिकॉर्ड किया गया।

राजस्थान विधानसभा : वन्यजीव हमले में मौत पर मुआवजा अब 10 लाख रुपए

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान सरकार ने जनहित में एक बड़ी घोषणा की, वहीं कफ सीरप से हुई मौतों के मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। वन्यजीव संघर्ष अब मिलेगा दोगुना मुआवजा बाड़ी (धौलपुर) से भाजपा विधायक जसवंत गुर्जर के सवाल का जवाब देते हुए वन मंत्री संजय शर्मा ने सदन को सूचित किया कि सरकार मानव-वन्यजीव संघर्ष में होने वाली जनहानि के प्रति गंभीर है। मुआवजे में वृद्धि मंत्री ने घोषणा की कि वन्यजीवों के हमले में मौत होने पर दी।

साय कैबिनेट के बड़े फैसले

छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप्स को मिलेगा बड़ा सपोर्ट-सीएम साय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मादक पदार्थों की रोकथाम की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के 10 जिलों में जिला स्तरीय एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स के गठन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में प्रावधानित 100 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें रायपुर, महासमुंद, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा, कबीरधाम, जशपुर, राजनांदगांव एवं कोरबा जिला शामिल हैं। मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में पुलिस मुख्यालय के विशेष शाखा अंतर्गत एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) के गठन के लिए प्रावधानित 44 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है। एसओजी का काम किसी भी बड़ी या अचानक हुई घटना में तुरंत मौके पर पहुँचकर हालात को संभालना और आतंकी हमला या गंभीर खतरे को जल्दी खत्म करना होता है। एसओजी एक खास तरह की प्रशिक्षित टीम होती है, जिसे ऐसे खतरनाक कामों के लिए तैयार किया जाता है। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न एयरपोर्ट एवं हवाई पट्टियों में उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया तथा इसके संचालन के दिशा-निर्देशों का अनुमोदन किया

गया। जिसके तहत छत्तीसगढ़ में पायलट प्रशिक्षण की सुविधा के लिए राज्य में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना की जाएगी। विमानन क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए यह संस्थान उपयोगी होगा। इससे एयरक्राफ्ट रिसाइकिलिंग, हेलीकॉप्टर बंकिंग तथा एयरो स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं विकसित होगी। फ्लाइट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन की स्थापना निजी सहभागिता से किया जाएगा। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-26 का अनुमोदन किया गया। इस नीति से स्टार्टअप ईको सिस्टम के साथ-साथ इन्क्यूबेटर्स एवं अन्य हितधारकों का विकास होगा। छत्तीसगढ़ को देश में एक प्रमुख नवाचार केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में सुधार होने से राज्य में निवेश का आकर्षण बढ़ेगा। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल और रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई और पूरी हो चुकी 35 आवासीय कॉलोनियों को नगर निगम और नगर पालिकाओं को सौंपने का निर्णय लिया गया है। इन कॉलोनियों में खुले भू-खंड, उद्यान और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं शामिल होंगी। हालांकि, आवासीय, व्यावसायिक और अर्द्धसार्वजनिक बिक्री योग्य संपत्तियां इसमें शामिल नहीं होंगी।

चयनित मोबाइल नेटवर्क विहीन बसाहटों में टावर की स्थापना की जाएगी

छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति के अनुसार राज्य शासन के सभी विभाग, उपक्रम एवं स्वायत्त संस्थाएं केवल भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं या भारत में स्थित सुरक्षित डेटा सेंटर एवं डिजास्टर रिकवरी सेंटर से ही क्लाउड सेवाएं लेंगी। किसी विशेष या असाधारण आवश्यकता के लिए राज्य क्लाउड परिषद से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। नीति के तहत कम प्राथमिकता वाले एप्लिकेशन एवं आर्काइव डेटा का क्लाउड माइग्रेशन वर्ष 2027-28 तक तथा उच्च प्राथमिकता सेवाओं का माइग्रेशन 2029-30 तक किया जाएगा। सभी नए एप्लिकेशन क्लाउड-नेटिव तकनीक पर विकसित किए जाएंगे। कैबिनेट ने इस नीति में भविष्य में आवश्यक संशोधन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को अधिकृत किया है।

ट्रंप की ट्रेड डील पर उठाए गंभीर सवाल

भारत-अमेरिका ट्रेड डील विन-विन नहीं-प्रियंका...

नई दिल्ली। शिवसेना (यबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा यह डील अमेरिका के लिए ऐतिहासिक हो सकती है, लेकिन भारत के नजरिये से यह सौदा फिलहाल विन-विन नहीं दिखता। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि इस पूरे समझौते की आधिकारिक जानकारी देश के सामने नहीं रखी गई है और जो बातें सामने आ रही हैं, वे अधिकतर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक्स पोस्ट पर आधारित है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ट्रंप के एक्स पोस्ट के अनुसार, अमेरिका ने

भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है, जिससे भारतीय एक्सपोर्टर्स को कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसके बदले अमेरिका को भारतीय बाजार में बेहद व्यापक छूट दी गई है।

ये कैसी सजा?

गरियाबंद में सहेली के गुप्तांग में डाला मिर्च पाउडर... सीने पर चढ़कर किया वार,मौके पर महिला की मौत

गरियाबंद। देशभर के अलग-अलग कोने से प्यार और दोस्ती के नाम पर कत्ल की सामने आ रही अलग-अलग वारदतों ने दिल दहला कर रख दिया है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दो महिलाओं ने अपनी ही सहेली के साथ 'गंदा' काम कर उसे मौत के घाट उतार दिया। आरोपी महिलाओं ने पहले पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में मिर्च पाउडर डालकर उसे तड़पाया। वो दर्द के मारे चीखती रही, लेकिन उन्हें उस पर दया नहीं आई। इसके बाद उन्होंने बेरहमी से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। इस अमानवीय अत्याचार के सामने आने के बाद पूरे इलाके में सन्नाटा फैल गया है। आरोप है कि दो महिलाओं ने पहले पीड़िता के गुप्तांग में मिर्च डाली और फिर उसे डंडे से पीटा। वो पीड़िता को तब तक पीटती रहीं, जब तक कि वो बुरी तरह से जख्मी नहीं हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी महिलाओं ने मृत महिला के साथ बेहद क्रूर और अमानवीय व्यवहार किया। पहले उसे गंभीर रूप से प्रताड़ित किया। उसके प्राइवेट पार्ट में

मिर्च डालकर खूब तड़पाया। इसके बाद उसे लात-घूंसों से मारा। इतना ही नहीं, उस पर लाठी-डंडे भी बरसाए। जब इससे भी मन नहीं भरा तो उन्होंने उसके सीने पर चढ़कर उसे बेरहमी से पीटा। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि समय के साथ तीनों महिलाओं की दोस्ती में खटास आ गई थी। आरोप है कि पीड़िता गांव-गांव जाकर दूसरी दोनों महिलाओं के चरित्र पर कीचड़ उछाल रही थी। इसी बात को लेकर उनमें आपसी झगड़े बढ़ते चले गए। कथिततौर पर इसी से तंग आकर दोनों महिलाओं ने पीड़िता को सबक सिखाने की ठानी और उन्होंने उसके साथ ऐसी क्रूरता को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सासंद की राहुल को लहजे में रहने की नसीहत

उनकी फिटनेस अच्छी है, लेकिन हाथ मेरा भी भारी-रवनीत बिट्टू

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा में लगातार हंगामे के बीच बुधवार को संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय राज्य मंत्री व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दोनों नेताओं ने एक दूसरे पर टिप्पणियां कीं। जहां राहुल गांधी ने रवनीत बिट्टू को गद्दार दोस्त कहा, वहीं भाजपा सासंद राहुल गांधी को 'देश का दुश्मन' बताते नजर आए। बाद में इस पूरे प्रकरण पर बात करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, 'स्पीकर साहब तो सदन के

कस्टोडियन (संरक्षक) हैं। वह मालिक हैं, और कहां जाएगा आदमी? यहां पर अगर ये चीजें होगी और उनकी अच्छी फिटनेस है, हाथ हमारा भी भारी ही होता है, हल्का नहीं होता, लेकिन यह हमारा राजनीति में काम नहीं है। हमें जो भी बात करनी है, वह लहजे और लिहाज से करनी है, सही तरीके से करनी है। संसदीय भाषा में बात करनी चाहिए। ये लोग आज ताकत के बगैर मतलब गुंडागर्दी तक उतर आए हैं। इन्हें जनता देखेगी कि इनके साथ क्या करना है। ये करते क्या है, इनकी सोच क्या है। आज सामने आ गई। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा,वे समझते हैं कि सबसे बड़े देशभक्त हम ही हैं। मेरे पिता जी ने शहादत दी... मेरी पार्टी में यही लड़ाई थी कि आपके लगाए आग में हमारे गुरुद्वारा में गोली चली, स्वर्ण मंदिर में। हजारों सिखों को इन्होंने निशाना बनाकर कत्ल कराया। अगर राजीव गांधी का नाम शहीद में आता है तो सरदार बेअंत सिंह भी कहना पड़ता है।

मनाली से लेह तक का सफर 98 घंटे में दौड़कर किया पूरा, अजमेर की सुफिया को मिला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

अजमेर। भारतीय अल्ट्रा-डिस्टेंस रनर सुफिया सूफी के लिए लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। राजस्थान के अजमेर की रहने वाली 38 वर्षीय सुफिया को मनाली-लेह के बेहद कठिन और ऊंचे रास्तों को दौड़कर पार करने के लिए औपचारिक रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट मिल गया है। उन्होंने 480 किलोमीटर की यह जानलेवा दूरी महज 98 घंटे और 27 मिनट में पूरी की थी। यह एक ऐसा कारनामा है जिसे अब तक कोई और महिला एथलीट अंजाम नहीं दे पाई है। सुफिया ने 100 घंटे के सांकेतिक बेंचमार्क को तोड़ते हुए सबसे तेज महिला रनर बनने का गौरव हासिल किया है।

एक साल बाद मणिपुर में लौटेगी लोकतांत्रिक सरकार

बीजेपी के खेमचंद सिंह होंगे नए मुख्यमंत्री,चुने जाएंगे 2 डिप्टी....

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर में लगभग एक वर्ष तक राष्ट्रपति शासन रहने के बाद नई सरकार के गठन की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता युमनाम खेमचंद सिंह को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है और उनके नेतृत्व में राज्य में नई सरकार बनाई जाएगी। इसके साथ ही मणिपुर में दो उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की तैयारियां भी चल रही हैं। फिलहाल उपमुख्यमंत्री पद के लिए नेमचा किपगेन का नाम सामने आया है। इसका उद्देश्य

राज्य में विभिन्न समुदायों के बीच संतुलन कायम करना माना जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच गंभीर हिंसा हुई थी। हालात बिगड़ने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को पद छोड़ना पड़ा था, जिसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। भाजपा नई सरकार के जरिए राज्य में भरोसा बहाल करने की कोशिश कर रही है। युमनाम खेमचंद सिंह मैतेई समुदाय से आते हैं, जबकि नेमचा किपगेन कुकी समाज का प्रतिनिधित्व करती हैं। पार्टी के इस कदम को दोनों समुदायों के बीच विश्वास बढ़ाने की पहल के तौर पर देखा जा रहा है। इसके अलावा, एक अन्य उपमुख्यमंत्री पद नगा समुदाय को दिए जाने की भी चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि यह पद नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के किसी नेता को मिल सकता है।

सिर्फ नाम काटने के लिए हो रहा एसआईआर निशाने पर बंगाल

सुप्रीम कोर्ट में बोलीं ममता-व्हाट्सएप आयोग जैसा है चुनाव आयोग

नई दिल्ली/ संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट में आज पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वकीलों के बीच मौजूद थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने दो साथी न्यायाधीशों से जानकारी मिली, जिन्होंने पास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया समझाई और इसी समझ के आधार पर इस मुद्दे को शामिल किया गया। मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि न्यायालय ने पहले तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि न्यायालय को सूचित किया गया था कि सूची संचार का एकमात्र माध्यम नहीं है और संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं। अधिवक्ता श्याम दीवान ने न्यायालय से याचिकाकर्ता के संक्षिप्त नोट पर विचार करने का आग्रह किया और बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए केवल चार दिन शेष हैं। उन्होंने कहा कि 32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं हैं, 1.36 करोड़ नाम तार्किक विसंगति सूची में हैं, और 63 लाख मामलों की सुनवाई अभी लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि 8,300 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को नियुक्त

किया गया है, जो संविधान के तहत परिकल्पित श्रेणी नहीं है। दीवान ने आगे कहा कि निवास प्रमाण पत्र, आधार और ओबीसी प्रमाण पत्र सहित कई स्वीकृत दस्तावेजों को अस्वीकार किया जा रहा है, जिससे लोगों को चार से पांच घंटे तक कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि बंगाल में श्री द्विवेदी का उच्चारण 'दिबेदी' होगा, और बताया कि बंगाली भाषा में 'वा' की ध्वनि नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया कि कम से कम उनके नाम का उच्चारण तो सही होगा, जिस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीच में ही टोकते हुए कहा कि ऐसा नहीं होगा। वहीं सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि नाम संबंधी विसंगतियों के कारण सीमित समय का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो रहा है और मतदाताओं को गंभीर असुविधा हो रही है। मुख्य न्यायाधीश ने भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से पूछा कि कुछ विसंगतियां स्थानीय बोलियों और उच्चारण में भिन्नता के कारण उत्पन्न होती हैं और इस तरह की समस्याएं पूरे देश में होती हैं। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह ठोस उदाहरण दे रही हैं और प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरें भी दिखा सकती हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया का उपयोग केवल नाम हटाने के लिए किया जा रहा है।

बंगाल को निशाना बनाया जा रहा, हमें न्याय नहीं मिल रहा- ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अदालत को बताया कि इस अदालत के आधार कार्ड को मान्यता देने के निर्देश के बाद बंगाल के लोगों को राहत मिली है। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों में निवास प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज स्वीकार किए जाते हैं, जबकि चुनाव की पूर्व संध्या पर केवल बंगाल को ही निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि वह इसी राज्य की निवासी हैं और न्यायालय की इस दयालुता के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा कि जब न्याय 'बंद दरवाजों के पीछे पुकार रहा होता है', तो ऐसा लगता है कि कहीं भी न्याय नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने न्यायालय को सूचित किया कि चुनाव आयोग को छह पत्र लिखे जा चुके हैं।

12 ज्योतिर्लिंगों की सुंदर झांकी

आध्यात्मिक ऊर्जा पार्क में भक्ति, श्रद्धा और उमंग के साथ मनाया गया महाशिवरात्रि महोत्सव

कोरबा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आध्यात्मिक ऊर्जा पार्क में महाशिवरात्रि का भव्य आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल, पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद जी, बी. के. रुक्मणि दीदी, बी. के. बिंदु दीदी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के पारंपरिक स्वागत, तिलक एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में शिव भक्ति से ओत-प्रोत मनमोहक नृत्य, नाटिका एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों एवं युवाओं द्वारा प्रस्तुत शिव महिमा पर आधारित नृत्य एवं अभिनय ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर बी.के. रचना दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य समझाते हुए कहा की महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं, बल्कि आत्म जागृति का संदेश है। परमपिता शिव स्वयं इस धरा पर आकर पतित संसार को पावन बनाते हैं और हमें राजयोग के माध्यम से जीवन जीने की सच्ची कला सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि शिव ही शांति, प्रेम और शक्ति के सागर हैं, जिनकी याद से जीवन में सुख और सफलता आती है। जयसिंह अग्रवाल ने कहा की ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा एवं नैतिक मूल्यों का संचार करते हैं। उन्होंने शिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए सभी को आत्मचिंतन एवं सङ्कर्म करने की प्रेरणा दी। राजकिशोर प्रसाद ने कहा की आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य बाहरी सुखों की दौड़ में आंतरिक शांति खो बैठा है। ऐसे समय में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक कार्यक्रम समाज को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिवरात्रि हमें आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश देती है। उन्होंने संस्था की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ से मिलने वाली शिक्षाएँ व्यक्ति के साथ-साथ पूरे समाज के चरित्र निर्माण में सहायक है। बी. के. रुक्मणि दीदी ने कहा की आज के तनावपूर्ण जीवन में शिव स्मृति ही मानसिक शांति का आधार है। शिवरात्रि हमें अपने अंदर की बुराइयों को त्यागकर दिव्य गुणों को अपनाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने सभी को नियमित राजयोग ध्यान करने का संदेश दिया और शिव बाबा से नाता जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से शिव की आराधना की। विशेष आकर्षण के रूप में 12 ज्योतिर्लिंगों की सुंदर झांकी सजाई गई, जो को 15 फरवरी तक रहेगी जिसके दर्शन कर श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की।

साथ ही उपस्थित अतिथियो को ईश्वरीय सौगात भेट की गयी एवं प्रसाद भी दिया गया। अंत में सभी ने शिव स्मृति में ध्यान कर विश्व शांति की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाई-बहनों एवं नगरवासियों की सहभागिता रही।

भूपदेवपुर पुलिस की दोहरी शराब रेड कार्रवाई

रायगढ़. एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर अवैध शराब पर कार्रवाई के क्रम में कल थाना भूपदेवपुर के थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजय नाग के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम मुरा, कुर्रुभांठा एवं जामपाली क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री की सूचना पर एक साथ रेड कार्रवाई की। मुखबिर से मिली पुख्ता जानकारी पर पुलिस ने पहले ग्राम मुरा में घेराबंदी कर दबिश दी, जहां राम सिंह सिदार पिता मतवार सिदार उम्र 65 वर्ष निवासी मुरा अवैध महुआ शराब बनाने की तैयारी करते पाया गया। मौके पर मौजूद महुआ लाहन की बोरियों को नष्ट किया गया तथा तैयार शराब (3 लीटर महुआ) जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए विधिवत प्रकरण दर्ज किया गया। इसी क्रम में दूसरी रेड कार्रवाई के दौरान कुर्रुभांठा चौक मेन रोड पर आरोपी भोलेशंकर राठिया पिता धरम सिंह राठिया उम्र 32 वर्ष निवासी कुर्रुभांठा को पकड़कर उसके कब्जे से 10 लीटर महुआ शराब जप्त की गई। आरोपी के खिलाफ धारा 34-2 एवं 59-क आबकारी एक्ट के अंतर्गत मामला कायम कर आरोपित को रिमांड पर भेजा गया है।

ग्राम खुड़मुड़ा एवं आनंदगाँव में आयोजित दो दिवसीय लोक कला महोत्सव में शामिल हुए भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खुड़मुड़ा में आयोजित छत्तीसगढ़ स्तरीय दो दिवसीय लोक कला महोत्सव कार्यक्रम में भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी जी और राहुल टिकहरियां युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विशेष रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने लोक कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला, लोक संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना की कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन और सांस्कृतिक झांकियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच से लेकर दर्शक दीर्घा तक पूरे परिसर में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। इसके पश्चात भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आनंदगाँव पहुँचे, जहाँ आयोजित दो दिवसीय लोक कला महोत्सव में भी उन्होंने सहभागिता की। यहाँ भी कलाकारों की सशक्त प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया और ग्रामीण संस्कृति की आत्मा को मंच पर जीवंत कर दिया। इस अवसर पर योगेश तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक कला केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और आत्मा है। लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वेशभूषा और वाद्य यंत्र हमारी पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ की मिट्टी की खुशबू और समाज की संवेदनाएं समाहित हैं। इन परंपराओं को सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने कहा कि लोक कला महोत्सव जैसे आयोजन ग्रामीण कलाकारों को सम्मान और मंच प्रदान करते हैं, जिससे उनकी प्रतिभा निखरकर सामने आती है। इससे न केवल कलाकारों का आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को नई पहचान और प्रोत्साहन भी मिलता है। ऐसे कार्यक्रम गांव, समाज और संस्कृति को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं योगेश तिवारी ने आगे कहा कि आज के आधुनिक और डिजिटल दौर में जब युवा पीढ़ी तेजी से अपनी जड़ों से दूर होती जा रही है, तब लोक कला महोत्सव उन्हें अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनते हैं। लोक कला के संरक्षण से समाज में आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिलती है उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं विश्व स्तर पर पहचान बनाने की क्षमता रखती हैं, आवश्यकता है उन्हें निरंतर संरक्षण, प्रोत्साहन और मंच देने की। जब लोक कलाकार सम्मानित होंगे, तभी हमारी संस्कृति जीवंत रहेगी और छत्तीसगढ़ की पहचान और अधिक मजबूत होगी। दोनों कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, कलाकार, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे आयोजकों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने योगेश तिवारी की उपस्थिति को प्रेरणादायक बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया ।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना : प्रशिक्षण पाकर आत्मनिर्भर बने जीवन सिंह बैगा

कॉमन सर्विस सेंटर से मिला नियमित आय का स्त्रोत

मुंगेली। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम बन रही है। योजना के तहत विभिन्न कोर्स में युवाओं को प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के ग्राम जल्दा निवासी जीवन सिंह बैगा ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज जमकोर में आईटी/आईटीईएस सेक्टर में डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उन्हें कंप्यूटर, संबंधित उपकरणों तथा कार्य में उपयोग होने वाली सभी आवश्यक तकनीकी जानकारियाँ विस्तारपूर्वक सिखाई गईं। बैगा ने बताया कि इस प्रशिक्षण की जानकारी एक प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके पश्चात उन्होंने प्रशिक्षण से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण कर पात्रता प्राप्त की और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान मिले मार्गदर्शन और व्यवहारिक ज्ञान ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास प्रदान किया। प्रशिक्षण उपरांत जीवन सिंह बैगा ने स्वरोजगार के रूप में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) की स्थापना की। वर्तमान में वे इसी माध्यम से न केवल अपना बल्कि अपने परिवार का भी सफलतापूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं। स्वरोजगार से उन्हें नियमित आय का स्रोत प्राप्त हुआ है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति एवं जीवनशैली में सुधार हुआ है। जीवन सिंह बैगा अपनी इस सफलता का श्रेय कौशल विकास विभाग, जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज जमकोर, मुंगेली, एवं इस योजना को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले जिला प्रशासन को देते हैं। वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि यह योजना ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार एवं आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन रही है।

नालंदा परिसर से लगे निगम कॉम्प्लेक्स में चोरों ने मचाया धमाल,

रायगढ़। निर्माणाधीन नालंदा परिसर से लगे निगम कॉम्प्लेक्स अब चोरों के निशाने पर है। बीती रात अज्ञात तत्वों ने प्रतीक टेलर्स का ताला तोड़ते हुए न केवल सिलाई मशीन और कपड़ों पर हाथ साफ किया, बल्कि जाते-जाते दुकान में आग भी लगाते गए। इस घटना के बाद अब गरीब दर्जी के सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। मरीन ड्राइव वैसे भी शराबखोरी और अय्याशी के लिए पहले से ही बदनाम है। ऐसे में अब यहां चोरियां भी होनी लगी है। वहीं, निर्माणाधीन नालंदा परिसर से लगे निगम कॉम्प्लेक्स में संचालित दुकानों को भी चोर नहीं बख्श रहे। बेलादुला के खर्राघाट में रहने वाले निरंजन मिश्रा नालंदा परिसर के समीप निगम कॉम्प्लेक्स में प्रतीक टेलर्स नामक दुकान चलाते हैं। गत रविवार रात लगभग साढ़े 8 बजे निरंजन अपनी टेलरिंग दुकान बंदकर रोजाना की तरह घर चले गए। आज सुबह करीब साढ़े 10 बजे निरंजन दुकान खोलने गए तो वहां शटर में लगे ताले को टूटकर किनारे संदिग्ध हालत में पड़े पाया। किसी अनहोनी की आशंका से सिहरे निरंजन ने जब शटर उठाया तो दुकान के भीतर का नजारा देख उनके पांव तले जमीन खिसकने की नौबत सी आ गई। दरअसल, दुकान में रखे कुछ कपड़े जल रहे थे तो वहां रखे 5 सिलाई मशीन, 3 कैंची, सिलाई लिए हुए पेंट-शर्ट और ग्राहकों के सिलने के लिए रखे कपड़े समेत हजारों का माल गायब था। चूंकि, चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोर दुकान के कतरन कपड़ों में आग भी लगा चुके थे, मगर आगजनी की बड़ी घटना नहीं हो पाया था, लिहाजा माजरा समझ मे आते ही बदहवास टेलर ने मौके की नजाकत को भांप नजदीकी थाने में घटना की सूचना देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई।

शिवरीनारायण माघ पूर्णिमा मेला में सत्य निजनाम बोध संस्थान व्दारा निशुल्क भोजन की व्यवस्था

शिवरीनारायण। धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में माघी मेले के अवसर पर पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानव सेवा की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की जा रही है। परम पूज्य सत्य गुरुदेव सत्य कबड्डी दास जी एवं परम वंदनीय गुरुमाता सत्य लीला देवी जी के पावन सानिध्य में सत्य निजनाम बोध संस्थान, पोडी द्वारा 01 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 12:00 से 3:00 बजे निःशुल्क भोजन भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस सेवा से साधु-संतों, श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों को सात्त्विक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निरंजन अग्रवाल, सतीश सोनी, पत्रकार संतोष अग्रवाल तथा गुरुपुत्र आगम दास जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने संस्थान की सेवा भावना की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि संतोष अग्रवाल ने सत्य निजनाम परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि शिवरीनारायण माता शबरी की पावन जन्मभूमि है। माता शबरी पशु बलि, जीव-हत्या और नशे के सख्त खिलाफ थीं। उन्होंने कहा कि पूज्य गुरुदेव द्वारा चलाया जा रहा नशामुक्ति-मोक्ष अभियान और शुद्ध शाकाहारी जीवन का संदेश अत्यंत सराहनीय है, जो समाज को सही दिशा देता है। विशिष्ट अतिथि सतीश सोनी ने कहा कि सत्य ही सभी धर्मों का सार है। पूज्य गुरुदेव के बताए मार्ग पर चलते हुए हमें सदैव सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। मुख्य अतिथि निरंजन अग्रवाल ने कहा कि अन्न का दान महादान होता है। शिवरीनारायण मेला में 15 दिवसीय भंडारे का आयोजन अत्यंत प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। सत्य निजनाम बोध संस्थान के अध्यक्ष एस.आर. तेली जी के मार्गदर्शन में यह सेवा कार्य संचालित है। भोजन भंडारा प्रभारी सत्य मयाराम बरेठ तथा सह-प्रभारियों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं के सहयोग से भंडारा सुचारु रूप से चलाया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य निष्काम सेवा, मानव कल्याण और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना है। माघी मेले के दौरान यह निःशुल्क भोजन भंडारा आस्था के साथ मानवता का संगम बनकर हजारों श्रद्धालुओं के लिए पुण्य और सेवा का माध्यम सिद्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना: जिले के युवाओं के उज्जवल भविष्य की मजबूत नींव

360 से अधिक युवाओं को मिल रहा कौशल प्रशिक्षण

मुंगेली। राज्य शासन की महत्वाकांमुख्यमंत्री कौशल विकास योजना जिले में युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रही है। यह योजना न केवल उन्हें हुनरमंद बना रही है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, स्वाभिमान और आर्थिक स्वतंत्रता की ओर अग्रसर कर रही है। इस योजना के माध्यम से जिले में कौशल विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तिकरण को नई गति मिल रही है तथा युवाओं को आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में विशेष पहल के रूप में साबित हो रही है। वर्तमान में जिले के 360 से अधिक युवा लाइवलीहुड कॉलेज मुंगेली एवं विभिन्न निजी प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से अलग-अलग सेक्टर एवं ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण न केवल युवाओं को रोजगार के लिए तैयार कर रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप दक्ष मानव संसाधन के रूप में भी विकसित कर रहा है। जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न जनपदों से चिन्हांकित 210 युवाओं को जल वितरण संचालक का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित एवं सतत पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, साथ ही प्रशिक्षित युवाओं को स्थायी आजीविका के अवसर भी प्राप्त होंगे। इसी क्रम में श्रम विभाग में पंजीकृत 60 युवाओं को इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर उन्हें निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध हो रहा है। इसके अतिरिक्त, जिले में युवाओं की मांग और रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हेल्थकेयर सेक्टर में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट तथा इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में मोबाइल फोन हार्डवेयर रिपेयर टेक्नीशियन जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये पाठ्यक्रम युवाओं को अल्प अवधि में व्यावहारिक कौशल प्रदान कर उन्हें शीघ्र रोजगार अथवा स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

छ.ग.शिक्षक संघ के 2026 वार्षिक कैलेंडर का विमोचन सम्पन्न

कोरबा । छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ जिला कोरबा द्वारा प्रकाशित वर्ष 2026 के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन 2 फरवरी को जिलाध्यक्ष मानसिंह राठिया के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी टी पी उपाध्याय जी के कर कमलों से गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।जिला अध्यक्ष मानसिंह राठिया ने बताया कि इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी उपाध्याय जी ने शिक्षक संघ कि इस पहल की सराहना करते हुए शुभकामनाओं के साथ कहा कि इस प्रकार के कैलेंडर शिक्षकों को शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों को सुव्यवस्थित जानकारी प्रदान करते हैं तथा समय प्रबंधन में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मानसिंह राठिया ,संभाग अध्यक्ष तरुण सिंह राठौर, संभागीय संगठन मंत्री शंकर दयाल साव, उपाध्यक्ष राधा रमण श्रीवास,जिला कोषाध्यक्ष छोटेलाल पटेल, सचिव हबेलसिंह सिंह अघरिया ,करतला ब्लॉक उपाध्यक्ष चंद्रकुमार चंद्रा, सुखीराम यादव, गोरेलाल साहू, रामनारायण राजवाड़े सुभाष चंद्र डडसेना, ज्योति सिंह, कुमारेश गौतम, सुरेंद्र कुमार कंवर, विजय लाल बंजारे, समय लाल यादव, हेम सिंह कंवर, गुलाब दास महंत, सुरेश कुमार सराफ, राधेश्याम पटेल, विनयसिंह,विनोद जायसवाल,राजू पुरी गोस्वामी,राजेश तिवारी, गजानंद दुबे,दयाशंकर साहू,आर डी श्रीवास एवं कई शिक्षक साथी उपस्थित रहे। संघ के सभी पदाधिकारियों ने बताया कि यह कैलेंडर शिक्षकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है जिसमें शैक्षणिक सत्र , अवकाश, महत्वपूर्ण तिथियां एवं संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी सम्मिलित है। अंत में संघ द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी उपाध्याय जी का आभार व्यक्त किया गया तथा सभी शिक्षकों के उज्जवल भविष्य एवं सफल शैक्षणिक सत्र की कामना की गई।

कलश यात्रा के साथ टोनाटार में हुआ हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ

भाटापारा। टोनाटार में हुए हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ कलश यात्रा, जय श्रीराम की जयकारे, रामायण पाठ, कीर्तन के साथ द्वीप प्रज्जवन से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मदकू द्वीप रामाश्रय आश्रम से आए महंत रामरूप दास महात्यागी महराज ने सम्मेलन में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था को पूर्व में समाज के कार्य की व्यवस्था के रूप में बताते हुए प्रशासनिक व्यवस्था का उदाहरण देते हुए बताए कि जिस प्रकार से प्रथम, द्वितीय तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी होते है जो एक निश्चित योग्यता और प्रशासनिक क्षमता को प्राप्त कर नीचे से ऊपर की श्रेणी में पदोन्नत होते हैं वैसे ही प्राचीन समय में भारत की वर्ण व्यवस्था को होना बताया है जिसमें ऊंच नीच का कोई स्थान नहीं था इसके लिए महंत जी ने कंधे से ऊंची छाती नहीं होती और धर्म से ऊंची जाती नहीं होती जैसे शब्दों का उद्धरण प्रस्तुत करते हुए भगवान श्री रामचंद्र जी क्षत्रिय वंश में जन्म लेने के बाद भी किस प्रकार से निषाद राज से मिले, वन में निवास करने वाली शबरी से मिले सबको अपने गले लगाकर समाज को जोड़ने का कार्य किए। छत्तीसगढ़ में नवधा भक्ति का उदाहरण शबरी की भक्ति से होना बताए और राम की भक्ति को राष्ट्र की भक्ति बताते हुए महंत समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किए और हिंदू समाज का एक जूट नहीं होने पर बांग्लादेश में कैसे दीपूदास जैसे अनेकों हिंदुओं का बिना कोई अपराध के निर्मम हत्या हो जाना बताए। कार्यक्रम के अंत भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केलो बिहार में देह व्यापार का भंडाफोड़, 2 आरोपी गिरफ्तार, पीटा एक्ट के तहत कार्यवाही

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के स्पष्ट दिशा-निर्देशन में रायगढ़ जिले में अवैध शराब, जुआ-सट्टा एवं अनैतिक गतिविधियों पर लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बीती रात नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में देह व्यापार की सूचना पर बड़ी कार्यवाही की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि केलो बिहार कॉलोनी स्थित संतोष सोनी के मकान में किरायेदार डिंपी उर्फ राहुल इजारदार बाहर से महिलाओं को लाकर देह व्यापार करा रहा है। सूचना से तत्काल एसएसपी शशि मोहन सिंह को अवगत कराया गया, जिनके मार्गदर्शन पर थाना चक्रधरनगर और साइबर पुलिस थाना की संयुक्त टीम गठित कर रेड की योजना बनाई गई।पुलिस द्वारा पहले एक पाइंटर को ग्राहक बनाकर रुपये देकर मकान भेजा गया। पाइंटर से संकेत मिलते ही मकान की घेराबंदी कर एकाएक छापा मार कार्यवाही की गई। मौके पर मकान के अंदर तीन महिलाएं, पुलिस पाइंटर, आरोपी डिंपी उर्फ राहुल इजारदार तथा एक अन्य व्यक्ति नागेंद्र विश्वकर्मा निवासी कोतरारोड पाए गए। मकान से देह व्यापार में प्रयुक्त कई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। पूछताछ में नागेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि डिंपी इजारदार मकान का किरायेदार है, जो महिलाओं को लाकर उनसे वेश्यावृत्ति करवाता है और वह उसी सिलसिले में वहां आया था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी डिंपी इजारदार किराये के मकान में महिलाओं को पैसों का लालच देकर अनैतिक देह व्यापार कर जीवन-निर्वहन कर रहा।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण रोजगार की अनदेखी गरीबो के हक़ पर सीधा डाका

रायपुर। केंद्रीय बजट 2026-27 में जिस तरह ग्रामीण रोजगार की अनदेखी की गई है, उससे भी चिंता बढ़ती है। सरकार मनरेगा की जगह बीजीएमजी जैसा कानून तो ले आई है, जिसमें केंद्र सरकार ज्यादातर राज्यों में इस योजना का लगभग 60 प्रतिशत खर्च उठाएगी, और बाकी खर्च राज्य सरकारें देंगी। लेकिन बजट में इस मद में 65.9 प्रतिशत की कटौती की गई है, जो इस खर्च बंटवारे से कहीं ज्यादा है। मनरेगा के लिए 2025-26 के लिए संशोधित अनुमान रुपए 88,000 करोड़ था। इसके उलट 2026-27 के बजट अनुमान में यह आंकड़ा घटाकर 30,000 करोड़ कर दिया गया है, जो 58,000 करोड़ या लगभग 66 प्रतिशत की कटौती है। इससे गंभीर सवाल उठता है कि क्या बीजीएमजी कानून के बताए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मोदी सरकार ने पर्याप्त संसाधन रखे थे या फिर कांग्रेस की चिंताएं वास्तविक हैं कि गांव के गरीबों को मिलने वाली मामूली मजदूरी पर भी उद्योगपतियों का डाका पड़ चुका है? गरीब-गरीब की माला जपते हुए नरेंद्र मोदी हर बार उद्योगपतियों का ही हित साधते हैं, तभी 5 किलो मुफ्त अनाज लेने की नौबत देश में बनी हुई है।

महापौर ने दिये कचरा वाहनों में ग्रीन नेट लगाने के निर्देश

रायपुर। रायपुर महापौर मीनल चौबे ने कचरा परिवहन के दौरान कचरे के फैलाव को रोकने एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी कचरा वाहनों में एक ही प्रकार एवं मानक की ग्रीन नेट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिये है। सोमवार को महापौर ने कचरा गाड़ियों के ड्राइवरों एवं सफाई मित्रों की बैठक लेकर उनसे संवाद किया। बैठक में इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया गया कि घरों एवं दुकानों से कचरा संग्रहण के पश्चात उसे ट्रांसफर स्टेशन तक ले जाते समय प्रत्येक कचरा वाहन पर निर्धारित मानक की ग्रीन नेट लगी हो। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि कचरा परिवहन के दौरान सड़कों पर कचरे का गिरना न केवल अस्वच्छता फैलाता है, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। ग्रीन नेट के उपयोग से कचरा सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुँचेगा, सड़कें स्वच्छ रहेंगी और शहर की स्वच्छ तथा सुव्यवस्थित छवि सुदृढ़ होगी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार अपशिष्ट का संग्रहण एवं प्रसंस्करण स्थल तक परिवहन इस प्रकार किया जाना चाहिए कि परिवहन के दौरान कचरा खुले में न गिरे, न फैले तथा पर्यावरण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। महापौर ने ड्राइवरों एवं सफाई मित्रों के योगदान की सराहना की।

तेलीबांधा पुलिस द्वारा 6 वारंटियों को पकड़कर की गई कार्यवाही

रायपुर। तेलीबांधा पुलिस द्वारा 06 वारंटियो को पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया। विशेष अभियान चला कर 06 फरार वारंटी को पकड़ कर न्यायालय में पेश किया गया सभी वारंटी मारपीट के विभिन्न धाराओं के फरार वारंटी थे । जिनकी काफी समय से तलाश की जा रही थी। मामले में पुलिस ने प्रिंस गोपाल उर्फ काउ पिता सीनू गोपाल उम्र 19 वर्ष सा. देवारपारा सुभाष नगर थाना तेलीबांधा, सोमेश साहू पिता परमेश्वर साहू उम्र 24 वर्ष सा. श्याम नगर तेलीबांधा, स्थाई पता राई कोना थाना सरसिवा जिला सारंगढ़ तथा गिरफ्तार वारंटी ढालेंद्र यदू उर्फ गुड्डु पिता आत्माराम यादव उम्र 33 वर्ष सा ब्रम्हदेव नगर जैतखम्भ के पास थाना तेलीबांधा रायपुर, गनेश राव पिता डी. निरंजन राव उम्र 18 वर्ष सा. जल विहार कालोनी शुलम के पीछे थाना, मनोज बाघमार पिता आशिष बाघमार उम्र 22 वर्ष सा. जोरा मोदी मेडिकल के सामने वाली गली थाना तेलीबांधा रायपुर तथा गौरव कुमार यादव पिता स्व राजेश यादव उम्र 26 वर्ष सा. मोदी मेडिकल के सामने जोरा थाना तेलीबांधा रायपुर को गिरफ्तार किया है।

भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम बूथ में फिर फैला कचरा

रायपुर। भारतीय स्टेट बैंक (एस. बी. आई.) द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मठ पुरैना वार्ड में स्थापित ए. टी. एम. बूथ में ऐसा लगता है कि कचरा फैलने का सिलसिला फिर शुरु हो गया है. लगभग दो महीने पहले भी वहाँ काफी कचरा बिखरा पड़ा रहता था. मीडिया में फोटो सहित खबर आने के बाद बीच में व्यवस्था कुछ ठीक हो गई थी, लेकिन अब फिर वही कचरे का आलम नज़र आने लगा है, वहाँ आने वाले ए. टी. एम. कार्डधारकों का मन इस कचरे को देखकर खिन्न हो जाता है। राष्ट्रीय न्यूज सर्विस के इस संवाददाता ने आज दो फरवरी की शाम वहाँ कागजों के टुकड़ों का बहुत -सा कचरा फैला हुआ देखा. हालांकि इसके लिए काफी हद तक ए. टी. एम. कार्डधारक भी ज़िम्मेदार हैं, जो बूथ से निकलने वाली पर्चियों को देखकर वहीं पर लापरवाही से फेंक देते हैं. लेकिन बैंक प्रबंधन की भी ज़िम्मेदारी बनती है कि वह प्रत्येक ए. टी. एम. बूथ की देख -रेख और साफ़-सफाई के लिए अपने किसी कर्मचारी को तैनात करे. ऐसी कोई व्यवस्था इस बूथ में दिखाई नहीं पड़ी.यह बहुत छोटा -सा बूथ है, जिसमें एक ही ए. टी. एम. मशीन है और किसी कर्मचारी के बैठने की जगह नहीं है. फिर भी बैंक प्रबंधन को बूथ की स्वच्छता का ध्यान रखते हुए अपनी नज़दीकी शाखा के किसी कर्मचारी को ज़िम्मेदारी देनी चाहिए, जो वहाँ दिन में कम से कम दो -तीन बार आकर कचरे की सफाई कर जाए। उल्लेखनीय है कि विभिन्न बैकों द्वारा आम जनता की सुविधा के लिए शहरों के कई मोहल्ले में सड़कों के किनारे ए. टी. एम. बूथ स्थापित किए गए हैं. यह अच्छी बात है, लेकिन अफ़सोस की बात ये है कि अधिकांश बूथों में सुरक्षा और साफ़-सफाई के लिए कोई कर्मचारी नज़र नहीं आता.ए. टी. एम. बूथ प्राइवेट मकानों में किराए पर छोटी -सी जगह लेकर स्थापित और संचालित किए जाते हैं.

नल-जल योजना की चाबी को लेकर विवाद, हिंसक झड़प में 7 लोग घायल

रायपुर। रामानुजगंज रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम नेहरू नगर में नल-जल योजना के अंतर्गत बनी पानी टंकी की चाबी को लेकर हुआ मामूली विवाद रविवार को हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। इस घटना में एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के 7 लोगों पर लाठी-डंडा व टांगी से हमला किए जाने की सूचना है। सभी घायलों का इलाज रामानुजगंज के 100 बिस्तर अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नल-जल योजना की पानी टंकी की चाबी सरपंच-सचिव द्वारा अरुण बछाड़ के घर में रखवाई गई थी, ताकि समय पर टंकी खोलकर पानी की आपूर्ति की जा सके। रविवार को कमल वैध (उम्र 40 वर्ष) चाबी मांगने अरुण बछाड़ के घर गए थे।

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की समीक्षा

कौशल उन्नयन से जोड़कर युवाओं को बनाएं आत्मनिर्भर-मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अधिकारियो को निर्देश दिए हैं कि वे युवाओं को अधिक से अधिक कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं। श्री साय ने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में नए-नए उद्योग स्थापित होने वाले हैं, इन उद्योगों में युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आज महानदी भवन मंत्रालय में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में रोजगार मेले का आयोजन करें। बैठक में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव श्री विकासशील सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने और तकनीकी संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए विशेष रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीआई के आधुनिकीकरण से युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने सीएसएसडीए एवं राज्य परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी के एकीकरण के प्रस्ताव पर सहमति दी और शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलों में सहायक निदेशक एवं सहायक परियोजना अधिकारियों की युक्तियुक्त पदस्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों में आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशिक्षित युवाओं से फीडबैक हेतु विकसित ज्तंपदमम थ्ममकइंबा मॉड्यूल को और सशक्त करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2013 से अब तक 4 लाख 90 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 2 लाख 71 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में राज्य में 356 प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाएं (वीटीपी) एवं 207 पंजीकृत कोर्स संचालित हैं। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सेतु योजना के अंतर्गत राज्य में हब-एंड-स्पोक मॉडल पर 6 क्लस्टर का चयन किया गया है, जिसके माध्यम से आईटीआई के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण हेतु लगभग 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसमें केंद्र सरकार की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत, राज्य सरकार की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तथा उद्योगों की हिस्सेदारी न्यूनतम 17 प्रतिशत निर्धारित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लिए पीएम जनमन योजना अंतर्गत 9 जिलों में लगभग 1,700 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। वहीं आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास हेतु बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर सहित जिलों में 600 से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा गया है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 में गत वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव, श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, विभागीय सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, उद्योग सचिव रजत कुमार, श्रम सचिव हिमशिखर गुप्ता, संचालक तकनीकी शिक्षा रोजगार एवं प्रशिक्षण श्री विजय दयाराम के., स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अरूण अरोरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने सीजीएमएससी की समीक्षा बैठक में दिए महत्वपूर्ण निर्देश

- दवाइयों की समय पर आपूर्ति की जाए सुनिश्चित, लापरवाही पर होगी आवश्यक कार्रवाई

रायपुर/ संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल आज छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉरपोरेशन (सीजीएमएससी) की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक में राज्य में दवाइयों, मेडिकल उपकरणों एवं स्वास्थ्य अधोसंरचना से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देशित किया कि राज्य में किसी भी स्थिति में अतिआवश्यक दवाइयों की कमी नहीं होनी चाहिए तथा दवाइयों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लोक महत्व से जुड़े इस विषय में यह आवश्यक है कि आम नागरिकों को समय पर एवं गुणवत्तायुक्त दवाइयां उपलब्ध हों। स्वास्थ्य मंत्री ने दवा आपूर्ति प्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता, स्टॉक एवं एक्सपायरी की रीयल टाइम जानकारी प्राप्त करने हेतु एक लाइव ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मांग एवं

आपूर्ति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। बैठक में दवाइयों एवं मेडिकल उपकरणों के गुणवत्ता परीक्षण से संबंधित सभी मापदंडों का कठोरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अस्पतालों के लिए आवश्यक कंज्युमेबल सामग्री की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि जिन जिलों द्वारा दवाइयों की मांग भेजे जाने के बावजूद उनका उठाव नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने 31 मार्च 2026 तक सभी अत्यावश्यक मेडिकल उपकरणों की खरीदी पूर्ण करने तथा प्रयोगशालाओं के लिए रिएजेंट की उपलब्धता शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य अधोसंरचना के संबंध में मंत्री ने महासमुंद, कांकेर एवं कोरबा मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य में 12 नवीन नर्सिंग कॉलेज एवं 6 नवीन फिजियोथेरेपी कॉलेजों के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए।

समाज के हर व्यक्ति के सुख दुख में हों शामिल,कोई अकेला महसूस न करें

- जिला साहू संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज जिला साहू संघ बालोद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर सभी को नव दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीउ। उन्होंने इस अवसर पर समाज के विद्यार्थियों के हित में छात्रावास भवन के लिए भूमिपूजन किया। साथ ही सामाजिक भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की। श्री साव ने कहा कि समाज ने शिक्षा और सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसका लाभ समाज के बच्चों को होगा। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के लिए संकल्प लेने का दिन है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नेतृत्व में बालोद जिला साहू समाज निरंतर प्रगति करेगा। शिक्षा, कृषि, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने के मामले में बालोद जिले की हमेशा एक अलग पहचान रही है, जिसे आगे और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी अब नए पदाधिकारियों के कंधों पर है। श्री साव ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक सहित सभी के लिए समाज का द्वार सदैव खुला रहना चाहिए। सामाजिक पदाधिकारियों का दायित्व है कि वे हर व्यक्ति के सुख-दुख में साथ खड़े रहें, ताकि हर सदस्य यह महसूस करे कि समाज उसके साथ है। साथ ही वर्ष में कम से कम दो बार सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, जिससे समाज से उनका जुड़ाव मजबूत हो और वे समाज में अपने महत्व को समझ सकें। समारोह में साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, पूर्व मंत्रीगण श्री ताम्रध्वज साहू एवं श्रीमती रमशीला साहू, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री टहल सिंह साहू, श्री विपिन साहू, श्री दीपक साहू, श्री प्रीतम साहू, श्रीमती प्रतिभा चौधरी, श्री हलधर साहू और श्री वीरेंद्र साहू सहित नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष श्री महेंद्र साहू, श्री मदन साहू, श्री बंशीलाल साहू, श्री गणेश राम साहू, श्री राजेश साहू, श्री भागवत साहू एवं श्री सुनील साहू भी मौजूद थे।

पर्यटन विकास और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले

- मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल से जलाशयों के जीर्णोद्धार के लिए 10.93 करोड़ रुपए की स्वीकृति

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की सक्रिय पहल और सतत प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में कुल 10.93 करोड़ रुपए की लागत से महत्वपूर्ण विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई

है। इन कार्यों के पूर्ण होने से जल संरक्षण को मजबूती, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता के संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके अलावा, स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार और आय के अवसर भी सृजित होंगे। सूरजपुर जिले के विकासखंड भैयाथान अंतर्गत बृजेश्वर सागर जलाशय योजना के नवीनीकरण कार्य हेतु 4.94 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, इसी विकासखंड की कुर्रीडीह जलाशय योजना के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 4.73 करोड़ रुपए, और विकासखंड ओड़गी स्थित बसनारा जलाशय (तालाब) के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य हेतु 1.26 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जल संसाधनों के संरक्षण एवं विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, पर्यटन के विस्तार से युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और क्षेत्र का समग्र विकास गति पकड़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। देर रात घर से शौच के लिए बाहर निकली नाबालिग से गांव के ही किशोर ने दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बांकीमोंगरा थाने के एक गांव की है। यहां रहने वाली नाबालिग रविवार देर रात 12 बजे घर से शौच के लिए बाहर निकली थी। इस दौरान सूनेपन का फायदा उठाते हुए बालिका को मोहल्ले का एक किशोर जबरन खींचकर घर से दूर ले गया, जहां उसने दुष्कर्म किया। दूसरी ओर देर रात बालिका के कमरे में नहीं होने पर चिंतित परिजन उसकी खोजबीन शुरू की। इस दौरान बालिका रोते और सहमी हुई हालत में मिली। किशोरी ने घटना की जानकारी परिजन को दी। इसके बाद परिजन पीड़िता को लेकर थाना पहुंचे।

बिजली बिल में हो रही उल्लेखनीय आर्थिक बचत

मुफ्त बिजली योजना-प्राकृतिक ऊर्जा से रोशन हो रहा प्रवीण शुक्ला का घर

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जिसका उद्देश्य घरों में सोलर पैनल लगाकर हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना है। इस योजना से बिजली के बिल में कमी, पर्यावरण संरक्षण, और ऊर्जा स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा। यह योजना न केवल स्थायी ऊर्जा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण को बचाने की ओर भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। राजनांदगांव के लालबाग निवासी श्री प्रवीण शुक्ला ने अपने आवास की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर पैनल स्थापित कर प्राकृतिक ऊर्जा का उपयोग प्रारंभ किया है। श्री प्रवीण ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2024 में सोलर पैनल लगवाया, जिसके बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है और उन्हें नियमित रूप से आर्थिक बचत हो रही है। राजनांदगांव जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन के अंतर्गत निरंतर सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सोलर रूफ्टॉप सिस्टम की स्थापना आम नागरिकों के लिए सरल, सुलभ और किफायती बन गई है। श्री प्रवीण शुक्ला ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्रेरित होकर वे भविष्य में अपने 3 किलोवॉट सोलर सिस्टम को बढ़ाकर 5 किलोवॉट करने पर विचार कर रहे हैं। इससे न केवल उनकी बचत में और वृद्धि होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। श्री शुक्ला ने कहा कि भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों की संभावित कमी को देखते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अत्यंत उपयोगी एवं दूरदर्शी योजना है। योजना के अंतर्गत उन्हें शासन से निर्धारित सब्सिडी प्राप्त हुई है, जिससे सोलर पैनल लगवाना उनके लिए संभव हो सका। केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा प्रदान की जा रही सब्सिडी के लिए श्री प्रवीण शुक्ला नेआभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना जनसामान्य के लिए बड़ी राहत एवं मदद साबित हो रही है और इससे प्राकृतिक ऊर्जा को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिल रहा है। जिले के नागरिकों से श्री शुक्ला ने अपील की कि वे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घरों में सोलर पैनल स्थापित करें, जिससे आर्थिक बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिल सके और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिले।

गणेश कुमार साहू को बिजली बिल से मिली राहत

प्रधनमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घरों में छत पर सोलर रूफ्टॉप सिस्टम लगाकर आमजनों को ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना न केवल नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है। नगर पालिका मुंगेली अंतर्गत अम्बेडकर वार्ड निवासी श्री गणेश कुमार साहू ने अपने आवास पर 03 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। सोलर संयंत्र के चालू होते ही उनके घर की अधिकांश घरेलू विद्युत आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है। श्री गणेश साहू ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना से पहले प्रत्येक माह बढ़ता बिजली बिल उनके घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा था। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सरल प्रक्रिया और सब्सिडी सुविधा ने उन्हें सोलर सिस्टम अपनाने के लिए प्रेरित किया। 03 किलोवाट सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद न केवल उनके घर के बिजली बिल में कमी आई है।

संपादकीय

हिमालय में बर्फबारी की देरी ने डराया, जलवायु परिवर्तन की दस्तक और भविष्य का संकट

आमतौर पर तापमान में थोड़े उतार-चढ़ाव को मौसम के लिहाज से एक सामान्य स्थिति माना जाता है, लेकिन इस वर्ष हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी में जिस तरह की देरी देखी गई, उस पर स्वाभाविक ही पर्यावरणविदों का ध्यान गया है। हालांकि अब पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश हुई है और इसकी वजह से देश के मैदानी क्षेत्रों में भी तापमान में गिरावट की संभावना जताई गई है। मगर इस वर्ष पहाड़ी राज्यों में जिस तरह मौसम के मिजाज में बदलाव देखा गया, बर्फबारी की सामान्य अवधि में देरी हुई, उसका सीधा संकेत यही था कि अब जलवायु परिवर्तन का असर प्रत्यक्ष रूप में सामने आने लगा है। दरअसल, लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में वर्ष का पहला हिमपात हुआ। इसी तरह हिमाचल प्रदेश के शिमला और कश्मीर में भी उम्मीद के मुकाबले करीब दो महीनों की देरी के बाद पहली बर्फबारी हुई। इसकी वजह से कड़ाके की ठंड अपने ज्यादा असर के साथ वापस लौट आई। हिमालयी प्रदेशों में आमतौर पर नवंबर-दिसंबर में इस तरह के मौसम की संभावना होती है। इसे एक सामान्य चक्र माना जाता है, जिसके असर से दिल्ली और उत्तर भारत के राज्यों में ठंड बढ़ती है। मगर इस बार अब जाकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में बर्फबारी हुई है और इसके मद्देनजर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली सहित उत्तर-पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों के न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री गिरावट होने की संभावना जताई है। जाहिर है, इन क्षेत्रों में एक बार फिर कुछ दिनों के लिए कड़ाके की ठंड लौट सकती है और इसी के मुताबिक लोगों को थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत पड़ेगी। मौसम की अपनी गति होती है और कई कारणों से उसकी अवधि आगे-पीछे हो सकती है।अगर इसके पीछे वजहें प्राकृतिक हों, तो यह ज्यादा चिंता की बात नहीं होती। मगर इससे इतर इस बार जिस तरह हिमालय के बड़े इलाके में बर्फबारी में दर्ज करने वाली गिरावट या कमी देखी गई, उससे साफ है कि वैश्विक ताप के नतीजे अब अपने व्यापक रूप में सामने आने लगे हैं। ऐसे अनेक आकलन आ चुके हैं, जिनके मुताबिक सदियों से भारत के जलवायु चक्र का आधार माने जाने वाला हिमालय आज एक चिंताजनक संकट से गुजर रहा है। पिछले कुछ वर्षों से हिमालय क्षेत्र में सर्दी के मौसम में भी औसत से काफी कम बर्फबारी हो रही है। खासतौर पर जिस मौसम में पहाड़ों को बर्फ से आच्छादित देखा जाता था, उस दौरान भी अब असामान्य रूप से बर्फबारी में देरी हो रही है। यह गौरतलब है कि हिमालय के दायरे में पड़ने वाले क्षेत्रों में कई नदियों का उद्गम स्थल है और इस तरह पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों के बड़े हिस्से में खेती और लोगों की जीविका इन पर निर्भर रही है। मगर मानसून और जैव-विविधता का आधार रहा यह इलाका अब कड़ाके की ठंड में भी बिना बर्फ के सूखा रहने लगा है, जिसका असर पारिस्थितिकी पर पड़ना तय है। अब इसे मौसम में किसी सामान्य उतार-चढ़ाव के बजाय जलवायु परिवर्तन के नतीजे के तौर पर देखा जाने लगा है। वैश्विक ताप में बढ़ोतरी का एक परिणाम यह भी है कि ठंड के मौसम में अगर थोड़ी-बहुत बर्फबारी हो, तो भी वह पिघल जाती है।

दरअसल नए नियमों में जातिगत भेदभाव का मतलब केवल अनुसूचित जाति यानी एससी, अनुसूचित जनजाति यानी एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी के खिलाफ भेदभाव बताया गया है। विवाद इसी को लेकर है । सामान्य वर्ग के छात्रों और छात्र संगठनों का आरोप है कि यह परिभाषा एकतरफा है और इसमें सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव या झूठी शिकायतों का कोई जिक्र नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के खिलाफ़ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके ज़रिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है।

कहीं भारी न पड़ जाए गाइडलाइन पर गुस्सा

(उमेश चतुर्वेदी)

इस मामले में जारी विवादों पर चर्चा से पहले नए नियमों को भी देख लेना चाहिए। नए नियमों में भेदभाव को पूरी तरह अनुचित, पक्षपाती व्यवहार माना गया है। इसके तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ही नहीं, जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान, या विकलांगता जैसे आधार पर भी भेदभाव ग़लत माना गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के ख़िलाफ़ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके ज़रिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है।

दरअसल नए नियमों में जातिगत भेदभाव का मतलब केवल अनुसूचित जाति यानी एससी, अनुसूचित जनजाति यानी एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी के खिलाफ भेदभाव बताया गया है। विवाद इसी को लेकर है । सामान्य वर्ग के छात्रों और छात्र संगठनों का आरोप है कि यह परिभाषा एकतरफा है और इसमें सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव या झूठी शिकायतों का कोई जिक्र नहीं है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के खिलाफ़ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके ज़रिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है।

इस मामले में जारी विवादों पर चर्चा से पहले नए नियमों को भी देख लेना चाहिए। नए नियमों में भेदभाव को पूरी तरह अनुचित, पक्षपाती व्यवहार माना गया है। इसके तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ही नहीं, जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान, या विकलांगता जैसे आधार पर भी भेदभाव ग़लत माना गया है। इस नियम में शिक्षा में समानता को बाधित करने वाले या मानवीय गरिमा का उल्लंघन करने वाले हर काम को ग़लत माना गया है। इस गाइडलाइन के तहत हर उच्च शिक्षण संस्थान को समान अवसर केंद्र यानी ईओसी स्थापित करना जरूरी होगा। इस केंद्र का उद्देश्य संस्थान में समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुँच को बढ़ावा देना तो होगा ही, साथ ही शैक्षणिक परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना भी होगा। इस गाइडलाइन के अनुसार, हर संस्थान को ईओसी के तहत एक समता समिति बनानी होगी, जिसका अध्यक्षता संस्थान का प्रमुख होगा । समिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग व्यक्ति और महिला का प्रतिनिधित्व जरूरी होगा , ताकि समावेशी निर्णय-प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।

सामान्य वर्ग की आशंका की वजह है, पहले से लागू एससी और एसटी कानून, जिसके गलत

इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी टिप्पणी कर चुका है। उसके तहत बिना वजह झूठे आरोपों के चलते सामान्य जीवन ही नहीं, बल्कि सरकारी दफ्तरों तक में सामान्य वर्ग के लोगों के ख़िलाफ़ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें बिना वजह प्रताड़ना और गिरफ्तारी तक झेलनी पड़ी है।

उसी आलोक में यूजीसी के इस नए नियम का विरोध हो रहा है ।आलोचकों का मानना है कि इस नियम के मुताबिक़ जो इक्विटी कमेटियां यानी समानता समितियां बनेंगी, वे शायद ही निष्पक्ष रहे। यह भी कहा जा रहा है कि समानता समितियों को इस नियम के तहत जो शक्तियां दी गई गई हैं, उन्हें सामान्य वर्ग के छात्रों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। विरोध कर रहे छात्रों का यह भी कहना है कि अगर कोई गलत शिकायत दर्ज करता है, तो उसे सजा देने का प्रावधान नहीं है, इससे सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए असुरक्षित माहौल बन सकता है।

सामान्य वर्ग के बड़ा तबका इस नियम के दुरूपयोग को लेकर आशंकित हो उठा है। इसी आशंका ने वह विक्षुब्ध हो चुका है। उसका मानना है कि ये नियम शिक्षा सुधार के बजाय परिसरों में ना सिर्फ जातिवाद को बढ़ावा देगा, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी बढ़ावा मिलेगा। इन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संस्थानों को दंडित किया जा सकता है, जिसके तहत उनकी फंडिंग रोकी जा सकती है, उनका डिग्री देने का अधिकार छीना जा सकता है और गंभीर उल्लंघन की स्थिति में उनकी मान्यता रद्द की जा सकती है।

हालांकि यूजीसी का कहना है कि यह ताजा नियम साल 2012 के उसके भेदभाव-विरोधी ढांचे की व्यवस्था को ही मजबूत करते हैं। यूजीसी का तर्क है कि उसने ये नियम उस आंकड़े के बाद लागू किए हैं, जिनके तहत पता चलता है कि उच्च शिक्षा में जातिगत भेदभाव की शिकायतों में 2019 की तुलना में 2023 में 118.4 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। वैसे हकीकत यह भी है कि यह निर्णय हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित वेमुला की आत्महत्या की 10वीं वर्षगांठ और सर्वोच्च न्यायालय के 2025 के निर्देश के बाद आया है। चूंकि रोहित वेमुला केस को लेकर उस वक्त देश के तमाम केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कैंपस का राजनीतिक तापमान बढ़ गया था। तब इस आत्महत्या को बीजेपी विरोधी राजनीतिक ताकतों ने बीजेपी पर हमले के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था तो बीजेपी समर्थकों का मानना था कि इस मामले को बेवजह भेदभाव की राजनीति का रूप दिया गया था। तब सामान्य वर्ग के छात्रों और वोटरों ने इस मुद्दे पर बीजेपी का खुलकर साथ दिया था। इसी वजह से उसे लगता है कि यूजीसी के नए नियमों से ना सिर्फ उसकी उपेक्षा हो रही है, बल्कि उनके हितों की अनदेखी की जा रही है।

एससी-एसटी उत्पीड़न के कानून को चाहे जितना भी समानता लाने वाला माना जाता हो, लेकिन जिस तरह उसके फर्जी इस्तेमाल की घटनाएं बढ़ी हैं, और उसके जरिए जिस तरह सामान्य वर्ग के उत्पीड़न के वाकये बढ़े हैं, उससे सामान्य वर्ग इस कानून का घोर विरोधी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के बावजूद नौकरियों और पढ़ाई में आरक्षण की व्यवस्था को लेकर क्षोभ और असंतोष अब भी सामान्य वर्ग में व्याप्त है। इन्हीं संदर्भों में यूजीसी के नए नियमों को लेकर आशंकाएं सामान्य वर्ग में बढ़ी है। सामान्य वर्ग इस नियम के कितना खिलाफ है, इसे समझने के लिए सोशल मीडिया को देखना होगा, जहां (यूजीसी रोलबैक) ट्रेंड करता रहा। सोशल मीडिया पर अब भी सामान्य वर्ग के छात्र इस नियम को अन्यायपूर्ण मानते हुए इसके विरोध में अभियान चला रहे हैं। करणी सेना सहित कुछ संगठन भी इस नियम के विरोध में उतर आए हैं। सवर्ण तबका भारतीय जनता पार्टी का पारंपरिक और निष्ठावान मतदाता है। एससी-एसटी के दुरूपयोग के मामले की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जब उस पर सवाल उठाए थे तो सामान्य वर्ग के लोगों ने सोचा था कि इस कानून से मुक्ति मिल जाएगी।

हालांकि ऐसा नहीं हुआ। सामान्य वर्ग की जब यह आस टूटी तो निराश भाव से वह चुप रह गया था। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सतह पर कोई आंदोलन नहीं दिख रहा। लेकिन लोग अंदर ही अंदर खदबदा रहे हैं। अगर बीजेपी ने इस दिशा में नहीं सोचा तो विपक्षी खेमे से इस आंच को हवा दी जा सकती है। जिसका असर आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल और असम के चुनावों में पड़ सकता है। बीजेपी की ओर से इस विवाद को थामने की सांस्थानिक कोशिश अभी नहीं दिख रही है। हालांकि, इस विवाद को थामने को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे प्रयास करते दिख रहे हैं। उन्होंने सामान्य वर्ग के छात्रों को आश्वासन दिया है कि उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन उनका यह आश्वासन काम आता नहीं दिख रहा।

ईरान में तख्तापलट करने जा रहे ट्रंप, शिया देश ने स्वागत में तैनात कीं 2000 मिसाइल

(अभिजात शेखर आजाद)

अमेरिकी हमले के खिलाफ ईरान ने 2000 से ज्यादा एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को तैनात कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल जून में इजरायल से 12 दिनों तक चली लड़ाई के बाद भी ईरान का मिसाइल भंडार भरा हुआ है। इसने अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि ईरान भले कमजोर है, लेकिन वो अमेरिकी हमलों के खिलाफ घातक जवाब देने की ताकत रखता है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप का मकसद ईरान में ऐसे हालात का निर्माण करना है, ताकि सत्ता परिवर्तन हो सके।

ईरान के पास अनुमानित तौर पर 2000 मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइलें होने का अनुमान है, जिनसे वो मिडिल ईस्ट में किसी भी अमेरिकी सैन्य अड्डे पर भीषण हमले कर सकता है। इसके अलावा ईरान के पास कम दूरी की मिसाइलों का भी एक बड़ा भंडार है, जिससे वो खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमला करने में इस्तेमाल कर सकता है। हालांकि इन मिसाइलों की सही संख्या को लेकर पुख्ता तौर पर कुछ कहा नहीं जाता, क्योंकि अलग अलग खुफिया रिपोर्ट में अलग अलग आंकड़ा है, लेकिन हर आंकड़े में संख्या सैकड़ों मिसाइलें होने की बात कही गई है।

ईरान कहीं अमेरिका पर भारी न पड़ जाए!- रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास अभी भी हजारों बैलिस्टिक मिसाइलों का ज्यादातर जखीरा सही-सलामत बचा हुआ है, जो उसे अमेरिका और मिडिल ईस्ट में उसके सहयोगियों को बड़ा नुकसान पहुंचाने की क्षमता देता है। ईरान के पास एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों और टॉरपीडो नावों का भी बड़ा जखीरा है। इसके अलावा ईरानी ड्रोन से बचने की भी चुनौती अमेरिका की नौसेना के सामने होगी। हालांकि ईरान के लिए एक सिरदर्द उसके पास मिसाइल लॉन्चरों की कमी हो सकती है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक पिछले साल जून में 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान इजरायल ने ईरान की सेना के करीब 70 प्रतिशत मिसाइल लॉन्चरों को तबाह कर दिया था। लेकिन फिर भी 2000 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों से वो इजरायल को फिर निशाना बना सकता है। पिछले युद्ध में ईरान ने करीब 550 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं, जिनमें से 45 मिसाइलें इजरायल पर गिरी थी।

इसीलिए सवाल उठ रहे हैं कि क्या ईरान, अबकी बार अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर स्स अब्राहम लिंकन को अपनी बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले में डूबो पाएगा?

ट्रंप का मकसद है ईरान में सत्ता परिवर्तन- इस बीच समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने दो अमेरिकी सूत्रों के हवाले से बताया है कि डोनाल्ड ट्रंप का मकदस ईरान में सत्ता परिवर्तन करना है।

अजित पवार: आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा-पुरुष'

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं।

(ललित गर्ग)

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं।

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है।

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी।

1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे।

उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें? जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए।

शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला दादा का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है।

अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया।

कोडेनार में स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्र शीघ्र संचालित कराना सुनिश्चित करें : कलेक्टर नम्रता जैन

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनमन प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत आवासों को पूर्ण कराने, ग्राम पंचायत हांदावाड़ा के हितामपारा में पानी, बिजली, सड़क, स्कूल, शौचालय, नक्सल पीड़ित परिवारों हेतु अनुकम्पा, राजस्व सर्वे, नालंदा परिसर हेतु आबंटित भूमि, धान पंजीयन की त्रुटि, धान बिक्री टोकन, पढ़ाई हेतु आर्थिक सहायता, जिले के धान खरीदी केन्द्रों से धान के त्वरित उठाव, नेत्र रोग ओपीडी में आवश्यक उपकरण एवं दवाईयां, नवीन आंगनबाड़ी, नलजल मिशन के कार्यों की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। माता मावली मेला परंपरागत रूप से अयोजित करने विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौपे गए है। माता मावली मेला 11 से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। ओरछा विकासखण्ड अंतर्गत कोडेनार में स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्र शीघ्र संचालित करने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर नम्रता जैन ने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए शिविर लगाकर बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को आश्रम छात्रावास के बच्चों को खाद्य सामग्री एवं मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए। धौड़ाई में अधिकारी कर्मचारियों के रहने हेतु शासकीय आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में शिक्षकों की व्यवस्था करने तथा छात्रावास में रहने वाले बच्चों का आधार कार्ड बनाने निर्देशित किए। कलेक्टर जैन ने आश्रम छात्रावासों के नोडल अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने तथा अधीक्षक और अधीक्षिकाओं को छात्रावास में ही निवास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर जैन ने ग्राम पंचायत आदेर के आश्रित ग्राम चालचेर, हितापारा, ओरछामेटा में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने, फडमुंशियों के सीजन वर्ष 2025 की घटनी वसूली, अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति का मुआवजा प्रदाय करवाने, महावीर चौक स्कूल परिसर स्थित जर्जर शासकीय भवन के ध्वस्तीकरण अथवा जीर्णोद्धार, जनपद पंचायतों के शासकीय भूमि, भवनों की जानकारी उपलब्ध कराने, 50 वर्ष से अधिक समय से कृषि कर रहे किसानों का पट्टा दिलाने, प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास भाटपाल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति करने, जमा मद अंतर्गत स्वीकृत करलखा में 100 सीटर कन्या छात्रावास भवन निर्माण करने, विद्यत निर्माण कार्य का चेकलिस्ट प्रस्तुत करने, ग्राम पंचायत माहका के डाकपारा में नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत किए जाने, ग्राम पंचायत कुतुल के आश्रित ग्राम फरसगांव में सौर ऊर्जा पानी टंकी, ग्राम पंचायत कच्चापाल के ग्राम तोके में नल-जल कनेक्शन, नल जल योजना के तहत लगे पाईपों में पानी सप्लाई, ग्राम नेलांगुर में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत कोडोली ग्राम परलबेड़ा में नल खनन करने, नवीन प्राथमिक शाला भवन निर्माण करने, ग्राम पंचायत आदेर में सोलर प्लेट ड्यूल पंप उपलब्ध कराने, ग्राम पंचायत आदेर में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराने, ग्राम पंचायत कोडोली के ग्राम परलबेड़ा, फुलमेटा, मेट्टापारा, दुलापारा में बीएसएनएल नेटवर्क लगवाने, पेंशन लोन स्वीकृत करने, ग्राम मोड़ेंगा में बिजली पोल लगवाने, नेलांगुर में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, कोडोली ग्राम परलबेड़ा में नल खनन, पदमकोट से उसेबेड़ा तक सड़क एवं बिजली प्रदान करने, ग्राम पंचायत नेड़नार में लंबे समय से मूलभूत विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदाय करने, निर्माण कार्य की स्वीकृति करने निर्देशित किए।

जिला अस्पताल बीजापुर में थायरॉइड गांठ का सफल ऑपरेशन 10 वर्षों से पीड़ित युवक को मिला नया जीवन

बीजापुर। जिला अस्पताल बीजापुर में चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। ग्राम केरपे निवासी 30 वर्षीय रमेश कुमार वॉचम, जो विगत लगभग दस वर्षों से गले में गांठ की समस्या से पीड़ित थे, का थायरॉइड ग्रंथि में विकसित गांठ का सफल शल्य उपचार जिला अस्पताल में किया गया। कान-नाक-गला विशेषज्ञ के परामर्श एवं विस्तृत जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मरीज की समस्या थायरॉइड ग्रंथि से संबंधित है। आवश्यक सभी जांचें जिला अस्पताल में ही पूरी की गई, जिसके उपरांत विशेषज्ञ चिकित्सकों ने शल्यक्रिया का निर्णय लिया। दिनांक 31 जनवरी 2026 को प्रातः कान-नाक-गला विशेषज्ञ डॉ. विभू तिवारी एवं निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. पी. सुधाकर की संयुक्त टीम द्वारा लगभग दो घंटे तक चली शल्यक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक है तथा वह चिकित्सकीय निगरानी में अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहा है। इस शल्यक्रिया की सफलता में सेन्ट्रल लैब विभाग की भूमिका भी सराहनीय रही। पैथोलॉजिस्ट डॉ. समीरानंदन द्वारा समय पर उपलब्ध कराई गई सटीक पैथोलॉजी रिपोर्ट से रोग का सही निदान संभव हो सका, जिससे उपचार संबंधी निर्णय समयबद्ध तरीके से लिए जा सके। पूरे उपचार कार्य में कलेक्टर संबित मिश्रा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. आर. पुजारी के प्रशासनिक मार्गदर्शन तथा सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर की सतत निगरानी से आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हुई।

संभाग में विकासात्मक गतिविधियों से ग्रामीण जनों में हर्ष : कमिश्नर डोमन सिंह

जगदलपुर। कमिश्नर डोमन सिह और आईजी सुंदरराज पी द्वारा मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय के सभा कक्ष में संभाग मे किए जा रहे विभागी निर्माण कार्यो की प्रगति कि समीक्षा की समीक्षा के दौरान कमिश्नर सिह ने कहा संभाग के जिलों में विकासात्मक गतिविधियों में हुई प्रगति से ग्रामीणजनो में बहुत हर्ष है। जिलों में नए सुरक्षा कैम्पो के समीप के गावों मे हुए विकास से ग्रामीण जनों को सड़क, पेयजल, विद्युत व्यवस्था के साथ-साथ शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का लाभ मिला है।साथ ही कई जगहों पर नए मार्केट भी संचालित होने लगे है मिल रही सुविधा का ग्रामीणजन आभार व्यक्त करते रहते है। इस अवसर पर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि संभाग के जिलों में 58 नए सुरक्षा कैम्प की स्थापना से आधारभूत संरचनाओं के विकास को गति मिली है। संरचनाओं के विकास के लिए विभागीय समन्वय आवश्यक है।

पुलिस एवं सुरक्षाबलों द्वारा आवश्यकतानुसार निर्माण कार्यों के लिए सुरक्षा दी जाती रही है। अब परिस्थितिया में बदलाव आ रहा है तो मानसुन से पहले विकास कार्यो को गति देते हुए पुर्ण किया जाना चाहिए। बैठक में कमिश्नर और आईजी ने बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा जिलों में लोक निर्माण विभाग के सड़कों, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के प्राथमिकता वाले मार्गो के निर्माण को संबधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भाजपा जिला कार्यालय में मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती

नारायणपुर। शिरोमणि संत रविदास जी की जयंती के अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा जयंती मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता बृजमोहन देवांगन, भाजपा जिला महामंत्री द्वय संदीप कुमार झा एवं पंकज जैन ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने अपने विचारों और कर्मो से समाज को समरसता, समानता और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने जाति-भेद, ऊँच-नीच और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। नेताओं ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन और उनके उपदेश आज भी समाज को सही दिशा देने वाले हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। भाजपा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम का सफल संचालन भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला महामंत्री सुमित बेसरा द्वारा किया गया तथा आभार महामंत्री घुड बघेल ने किया। इस अवसर पर अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष कमल कोर्राम, अजा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष ललित पोयाम, बसंत लावत्रे, मयंक बेसरा,लालसिंह बघेल, धनेश्वर आचला,अनिल मंडावी, सरोश मंडावी, गजेश दुग्गा, बबलू मंडावी, विजय कोर्राम, त्रिलोक बेसरा, चमरू राम नाग,लच्छू राम सलाम, नरेश मंडावी सहित मोर्चा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संत रविदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

24 वर्षो से बदहाली से परेशान 68 गांव के लोग उतरे सड़क पर, राजस्व विभाग पुलिस विभाग के अधिकारियों को मंच में बिठा सुनाई अपनी पीड़ा

कांकेर। जिले के कोयलीबेड़ा ब्लॉक मुख्यालय की वर्षो से लंबित मूलभूत समस्याओं को लेकर क्षेत्र में जनआक्रोश देखने को मिला। ग्राम पंचायतों के सरपंचों, जनप्रतिनिधियों, किसानों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम तहसीलदार कोयलीबेड़ा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासनिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं बैंकिंग सुविधाओं की गंभीर अव्यवस्थाओं को उजागर किया गया। लिंक कार्यालय व्यवस्था से जनता परेशान ज्ञापन में बताया गया कि कोयलीबेड़ा ब्लॉक मुख्यालय वर्ष 1962 से संचालित है, लेकिन वर्ष 2002 में जनपद पंचायत कार्यालय पखांजूर स्थानांतरित किए जाने के बाद अधिकांश शासकीय विभागों का संचालन लिंक कार्यालय पखांजूर से किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के बावजूद प्रशासनिक सुविधाओं का केंद्रीकरण अन्यत्र किए जाने से जनता को अनावश्यक रूप से दूर-दराज भटकना पड़ रहा है। उच्च शिक्षा संस्थान के अभाव में क्षेत्र के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को 40 से 50 किलोमीटर दूर जाकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। आर्थिक कमजोरी और आवागमन की समस्या के चलते कई विद्यार्थी शिक्षा छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों ने कोयलीबेड़ा में महाविद्यालय की स्थापना की मांग दोहराई।

बैंकिंग सुविधा नहीं, किसान हलाकान

जिला सहकारी बैंक शाखा नहीं होने के कारण किसानों को पखांजूर या अंतागढ़ जाना पड़ता है। सप्ताह में केवल एक दिन लेन-देन होने से घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद किसानों का काम पूरा नहीं हो पाता। शाम के समय वापसी के लिए बस सुविधा नहीं मिलने से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य सेवाओं की हालत चिंताजनक

ब्लॉक मुख्यालय में स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल स्थिति में हैं। केवल एक डॉक्टर के भरोसे पूरा क्षेत्र है। नया अस्पताल भवन होने के बावजूद आवश्यक संसाधन, स्टाफऔर समय पर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे मरीजों को पखांजूर व कांकेर रेफर किया जाता है।

कृषि विभाग पर लापरवाही के आरोप

ज्ञापन में कृषि विभाग के कर्मचारियों पर नियमित रूप से मुख्यालय में उपस्थित न रहने, खाद-बीज वितरण में लापरवाही और पंचायतों में सामग्री वितरण में अनियमितता के आरोप लगाए गए। साथ ही धान खरीदी की तिथि बढ़ाने की मांग भी रखी गई।

ये हैं प्रमुख मांगें

1. ब्लॉक मुख्यालय के समस्त कार्यालयों का संचालन कोयलीबेड़ा से किया जाए।
2. जिला सहकारी बैंक शाखा की स्थापना की जाए।
3. महाविद्यालय खोला जाए।
4. अस्पताल में डॉक्टर व स्टाफकी कमी दूर की जाए।
5. धान खरीदी की तिथि बढ़ाई जाए।
6. दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। ज्ञापन पर अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचों, जनपद सदस्यों एवं सामाजिक संगठनों के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

धान उपार्जन केंद्र कन्हारगांव में धान की हेराफेरी होने पर दो कर्मचारियों को किया गया सेवा समाप्त

नारायणपुर। जिला खाद्य अधिकारी ने जानकारी दी है कि धान उपार्जन केंद्र कन्हारगांव में 600 बोरी धान की हेराफेरी के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर नम्रता जैन द्वारा तत्काल संज्ञान लिया गया। कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व, खाद्य, मंडी तथा सहकारिता विभाग की संयुक्त जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की कार्यवाही की गई। धान खरीदी केन्द्र में जांच के दौरान उपार्जन केंद्र खरीदी प्रभारी सुदेन सलाम एवं ऑपरेटर बूकालू उसेंडी की संलिप्तता पाई गई। जांच में अनियमितता प्रमाणित होने पर कलेक्टर द्वारा दोनों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही हेराफेरी की गई धान की मात्रा के एवज में 7 लाख 30 हजार 360 रुपये की राशि की वसूली भी आरोपित की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टावर से बैटरी चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह को कोण्डागांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के मार्गदर्शन में लगातार आपराधिक तत्वों पर कार्यवाही की जा रही है, जिस तारतम्य में मोबाईल टावरों से बैटरी की चोरी की घटना को अंजाम देने वाले शातिर चोर एवं माल खपाने वालों को पकड़ने में कोण्डागावं पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। ज्ञात हो कि 1 फरवरी 2026 को प्रार्थी रामकुमार राय ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 28 जनवरी 2026 को ग्राम भोगापाल थाना उरन्दाबेडा के जियो टॉवर में लगे 72 नग बैटरी को कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा चोरी कर ले गए है, कि रिपोर्ट पर थाना उरन्दाबेड़ा में अप.क्रमांक 01/2026 धारा-3(5),303 (2) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामला गंभीर प्रवृत्ति का होने से पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा (भापुसे) के द्वारा निर्देश प्राप्त हुआ कि अज्ञात आरोपियों को जल्द से जल्द पता तलाश कर विधिवत कार्यवाही करे। निर्देश प्राप्त होने के पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौषलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अभिनव उपाध्याय एवं उप पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र पुजारी के पर्यवेक्षण में अज्ञात आरोपियों के पता तलाश हेतु थाना उरन्दाबेड़ा एवं सायबर सेल कि अलग-अलग टीम तैयार कर पता तलाश प्रारम्भ किया गया।

बस्तर पण्डुम महामहिम के स्वागत को तैयार जगदलपुर ट्रैफिक और पार्किंग का रूट मैप जारी

जगदलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ऐतिहासिक बस्तर प्रवास और बस्तर पण्डुम कार्यक्रम के शुभारंभ को लेकर समूचे संभाग में उत्साह का वातावरण निर्मित हो चुका है। इस हाई-प्रोफाइल दौरे के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और सहूलियत के कड़े इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम को भव्य और निर्बाध बनाने के उद्देश्य से जगदलपुर पुलिस और प्रशासन ने लालबाग स्थित आयोजन स्थल के आसपास एक व्यापक पार्किंग एवं ट्रैफिक प्लान लागू किया है, ताकि वीआईपी मूवमेंट के साथ-साथ आम जनता को भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रशासन द्वारा जारी की गई विस्तृत योजना के अनुसार, पार्किंग व्यवस्था को सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया है। वीवीआईपी यानी राष्ट्रपति महोदया के काफिले के लिए लालबाग ग्राउंड को आरक्षित रखा गया है, जिसे पी-1 कोड दिया गया है। वहीं, मुख्य मंच पर आसीन होने वाले राजदूतों और विशिष्ट अतिथियों के वाहनों के लिए लालबाग पीटीएस ग्राउंड (वीआईपी-1) तय किया गया है। मीडिया कर्मियों और कार पास धारकों के लिए क्यूरो इंडिया स्कूल के पीछे का मैदान और सनसिटी कॉलोनी में पार्किंग (वीआईपी-2) की व्यवस्था रहेगी, जबकि वरिष्ठ अधिकारियों के वाहन कोआर्डिनेशन सेंटर और अमर वाटिका में खड़े किए जाएंगे। कार्यक्रम में शामिल होने वाली विशाल जनसमूह की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने शहर के अलग-अलग मार्गों से आने वाले लोगों के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग जोन बनाए हैं। रायपुर, भानपुरी, बस्तर, बकावंड और नगरनार मार्ग के साथ-साथ शहर लोहण्डीगुड़ा, गीदम और सुकमा की ओर से आने वाले वाहनों के लिए कुम्हड़ाकोट गणपति रिसोर्ट के सामने वाला मैदान और रिलायंस पेट्रोल पम्प के बाजू वाली जगह (पी-7 से पी-9) निर्धारित की गई है। यदि भीड़ अधिक बढ़ती है, तो प्रशासन ने कृषि उपज मंडी और हाता ग्राउंड को रिजर्व पार्किंग के तौर पर तैयार रखा है। यातायात विभाग ने आम नागरिकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण सूचना भी जारी की है।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के प्रसव-पूर्व एवं प्रसव-पश्चात नियमित निगरानी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि उच्च जोखिम (एचआरपी) वाली गर्भवती महिलाओं की देखभाल में किसी भी तरह की कोताही न हो। कलेक्टर पन्ना के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र शामपुर में स्वास्थ्य कर्मियों की गंभीर लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित आरएचओ को तीन माह का अवैतनिक तथा सीएचओ की सेवा समाप्ति की कार्रवाई की गई है। बैठक में कलेक्टर ने संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम एवं आकांक्षी जिला कार्यक्रम के सभी इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने इंडिकेटर्स में शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए सभी जनपद सीईओ को आवास निर्माण कार्यों में तेजी लाकर स्वीकृत आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल जीवन मिशन सहित अन्य शासकीय योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

कोंडागांव। 9वीं अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता 30 जनवरी से और 1 फरवरी 2026 तक आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित किया गया था, जिसमें कोंडागांव जिले के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मैडल जीते। कोंडागांव वापसी पर इन खिलाड़ियों ने जिले की कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना से सौजन्य मुलाकात करते हुए प्रतियोगिता में शामिल होने संबंधी जानकारी दी। कलेक्टर ने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि जिले के लिए उपलब्धि है कि हमारे खिलाड़ी अपनी पहचान राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने आप सभी खिलाड़ी ऐसे ही आगे बढ़ते रहें। छत्तीसगढ़ शोतोकॉन कराटे- डू एसोसिएशन के मुख्य प्रशिक्षक सिहान सरजीत सिंह बख्शी के नेतृत्व में कोंडागांव जिला कराते संघ के प्रशिक्षक, खिलाड़ी राकेश कुमार कांगे कुमिते इवेंट में सिल्वर मेडल, रिद्धिमा जायसवाल कुमिते इवेंट में गोल्ड मेडल, कु.जिज्ञासा सिंह ठाकुर ने काता/कुमिते इवेंट में ब्राउंस मेडल और काव्यांश कश्यप ने भी कुमिते इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर संस्था के सभी प्रशिक्षक अन्य सदस्यों ने भी उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी।

कोण्डागांव का वार्षिक मेला 24 फरवरी से 01 मार्च तक

कलेक्टर और एसपी ने मेला आयोजन को लेकर ली बैठक

कोण्डागांव। कोण्डागांव का पारंपरिक मेला (मड़ई) प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 फरवरी से 01 मार्च 2025 तक पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा की उपस्थिति में मंगलवार को मेला के सुव्यस्थित एवं परंपरागत ढंग से आयोजन हेतु जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए मेले के गरिमामय एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बरतने एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने पर जोर दिया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, नगर पालिका उपाध्यक्ष जस केतु उसेंडी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, पार्षद गण उपस्थित रहे। बैठक में मेला के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बायपास मार्ग से भारी वाहनों के आवाजाही करने पर चर्चा हुई। साथ ही मेला आयोजन रात 10 बजे तक ही होगा और ध्वनि विस्तारक यंत्रों को भी रात 10 बजे तक धीमी आवाज में चलाने की अनुमति होगी। कोलाहल अधिनियम के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि सोमवार को 23 फरवरी की रात्रि निशा जतरा कार्यक्रम के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, मंगलवार 24 फरवरी को आयोजित होने वाले देवी परिक्रमा मार्ग को सुव्यवस्थित करने और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु बेरिकेटिंग एवं पार्किंग के लिए मंडी के पास, किशोर टॉकीज के पास एवं सुविधानुसार पार्किंग एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए गए। मेला के परंपरानुसार 25 फरवरी को एनसीसी ग्राउंड में पहुंचेंगे और 26 से 28 फरवरी तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्था सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग को निर्देशित किया गया। साथ एनसीसी ग्राउंड में 25 से 28 फरवरी तक विभाग विभागों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेले में एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीम तैनात की जाएगी, जबकि पुलिस विभाग कंट्रोल रूम और सहायता केंद्र स्थापित की जाएगी। साथ ही विद्युत, पेयजल, शौचालय जैसी अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

गौ-वंश हत्या करने वाले आरोपियों पर थाना कोण्डागांव पुलिस की त्वरित कार्यवाही

कोंडागांव। शाम को मुखबिर से सूचना मिली कि सुकलू नेताम के नीलगिरी प्लाट लंजोडा भेलवा भाटा में कुछ लोग गौवंश को काटकर एवं भागा लगा रहे है कि सूचना पर हमराह स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचकर तस्दीक किया। घटनास्थल में नीले रंग झिल्ली बिछाकर गौवंश को काटकर मांस का भागा बनाकर रखे थे एवं पॉलीथिन में भरकर बेचने के लिए रखे थे। एवं पास में ही लोहे के कढ़ाई में ईंट का चूल्हा बनाकर पक्का रहे थे। गौवंश को काटकर भागा बनाकर बेचने व खाने तैयारी किये थे। मौके पर वेटनरी टीम को तलब कर परीक्षण कराया गया। प्रार्थी मुकेश सोनी पिता स्व0 मौकम सोनी उम्र 30 वर्ष निवासी तहसील पारा कोण्डागांव जिला कोण्डागांव छ0ग0 के रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध पाये जाने पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 41/2026 धारा 325, 3(5) बी0एन0एस0, कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम 2011 कि धारा 4, 5, 6, 10 का अपराध पंजीबद्ध किया गया।प्रकरण की संवेदनाशीलता एवं गंभीरता को देखे हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस)रूपेश कुमार के मार्ग दर्शन में आरोपीगण की पतासाजी कर (01) शेषमन मरकाम पिता चौतराम मरकाम उम्र 30 वर्ष जाति गोंड निवासी लंजोड़ा भेलवाभाटा जिला कोण्डागांव छ0ग0।

संक्षिप्त समाचार

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल कोनी में निःशुल्क स्पाइन सर्जरी शिविर 3 अप्रैल से

बिलासपुर। कुमार साहब स्व. श्री दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल कोनी में स्पाइन फाउंडेशन इंडिया के तत्वावधान में स्पाइन रोगों से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों के लिए विशेष निःशुल्क उपचार एवं स्पाइन सर्जरी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर दिनांक 03, 04 एवं 05 अप्रैल 2026 को आयोजित होगा। शिविर में स्पाइन फाउंडेशन इंडिया के विश्वप्रसिद्ध स्पाइन सर्जन डॉ. शेखर भोजराज के मार्गदर्शन में चयनित मरीजों की निःशुल्क शल्यक्रिया की जाएगी। उपचार एवं शल्यक्रिया कार्य में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर के अस्थि रोग (ऑर्थोपेडिक) विभाग की सक्रिय भागीदारी रहेगी। सिम्स बिलासपुर के अस्थिरोग विभाग में प्रति बुधवार एवं शनिवार को सवेरे 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्पाइन क्लिनिक का संचालन किया जाएगा।, जहां मरीजों की स्क्रीनिंग, जांच एवं आवश्यक मार्गदर्शन किया जाएगा। जांच उपरांत निचले अंगों में फैलने वाला कमर दर्द, मल एवं मूत्र पर नियंत्रण न रहना, झुनझुनी व सुन्नता, पैरों में कमजोरी, गर्दन का दर्द, रीढ़ की असामान्य वक्रता (स्कोलियोसिस/काइफे-स्कोलियोसिस) सहित अन्य लक्षणों से पीड़ित मरीजों को स्पाइन सर्जरी हेतु रिफर किया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु नोडल अधिकारी डॉ. रवि महोबिया, अस्थि रोग विशेषज्ञ को अधिकृत किया गया है, जिनसे संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह स्पाइन सर्जरी शिविर सामाजिक सरोकार एवं जनहितकारी उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, जो आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण अंचलों के स्पाइन रोग से पीड़ित मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

जयरामनगर समपार, सड़क मरम्मत कार्य एवं ओवरहॉलिंग हेतु दिनांक 15 फरवरी से 20 मार्च तक सड़क यातायात के लिए बंद रहेगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत जयरामनगर स्टेशन यार्ड किमी 704/01-703/29 में स्थित मानव सहित समपार संख्या-360 जयरामनगर फाटक में बेहतर सड़क आवागमन सुविधा हेतु सड़क मरम्मत एवं ओवरहॉलिंग का कार्य किया जाएगा इसके फलस्वरूप यह समपार दिनांक 15 फरवरी (रविवार) 2026 से दिनाँक 20 मार्च (शुक्रवार) 2026 तक सड़क यातायात के लिए पूर्णत: बंद रहेगा उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान सड़क यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग परसदा फाटक तथा पाराघाट एवं जूठी अंडरब्रिज (एलएचएस) से उपलब्ध है । रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

टेबल टेनिस में रायपुर सेंट्रल की टीम बनी विजेता, कोरबा पश्चिम को रनर का खिताब

कोरबा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की अंतरक्षेत्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में रायपुर सेंट्रल की टीम ने एचटीपीएस कोरबा पश्चिम की टीम पर 3-1 से जीत दर्ज कर ली। स्पर्धा का फाइनल मैच सोमवार को खेला गया। विजयी टीम रायपुर सेंट्रल समेत विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह ने विनर ट्रॉफी सौंपी। मेंस सिंगल में दुर्ग रीजन के रजनीश ओबेराय ने जीत दर्ज की जबकिएचटीपीएस कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी टीपी. सिंह कोरनर का खिताबमिला। मेन्स डबल में रायपुर के खिलाड़ी प्रशांत बापट एवं अनुराग शर्मा ने जीत दर्ज की। जबकि एचटीपीएस कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी टीपी. सिंह एवं बिलासपुर रीजन के समीर तिवारी को रनर का खिताब मिला है। विमेन्स सिंगल में रायपुर की दिव्या आमडे विजयी रहीं जबकि दुर्ग की शोभना सिंह को रनर का खिताब मिला। गौरतलब है कि अंतरक्षेत्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता की मेजबानी इस बार हसदेव ताप विद्युत संयंत्र, कोरबा पश्चिम को मिली थी।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना : निगम क्षेत्र में 15 फरवरी तक चलेगा योजनांतर्गत विशेष पंजीकरण अभियान

कोरबा। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं एन.पी.एस. टेउडर्स योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु कोरबा नगर निगम क्षेत्र में 15 फरवरी तक विशेष पंजीकरण अभियान संचालित किया जा रहा है, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र से संबंधित उन श्रमिकों के लिए 60 वर्ष की आयु के बाद 3000 रूपये की न्यूनतम मासिक पेंशन सुनिश्चित करती है, जिनकी मासिक आय 15 हजार रूपये तक है। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने आदेश जारी कर निगम के उपायुक्त श्री पवन वर्मा को योजना का नोडल अधिकारी नियुक्त कर उन्हें श्रम आयुक्त कोरबा से समन्वय स्थापित कर शासन के निर्देशानुसार योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं।

'मोर गांव मोर पानी' अभियान :परसदा में जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

वाटर हीरो नीरज वानखेड़े ने ग्रामीणों को दिया जल बचाने का दिया संदेश

■ कलेक्टर संजय अग्रवाल ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

बिलासपुर। जिले में जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के अंतर्गत बिल्हा विकासखंड के ग्राम परसदा में भू-संरक्षण एवं जल संरक्षण पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। जल संरक्षण के लिए देश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवी श्री नीरज वानखेड़े ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व और भू जल को सहेजने के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल और बिल्हा के जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री राम कुमार कौशिक सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल जीवन के लिए अनमोल है लेकिन हमारे लगातार दोहन से भू जल स्तर में गिरावट आई है जिससे भावी पीढ़ी को जल संकट का सामना करना पड़ेगा, हमारी ये जिम्मेदारी है कि हम वर्षा जल का संरक्षण कर पानी को सहेजें और इस विकट समस्या से अपने गांव को बचाएं। उन्होंने वैकल्पिक खेती पर जोर देते हुए फसल विविधिकरण का संदेश दिया जिससे पानी की बचत हो। उन्होंने कहा कि हमें विभिन्न उपायों के माध्यम से जल संरक्षण के लिए काम करना है। उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि 'मोर गांव मोर पानी' अभियान तभी सफल होगा जब प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी जिम्मेदारी समझे और पानी बचाने में अपनी भूमिका निभाएं। जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने कार्यक्रम में आजीविका डबरी निर्माण के विषय में

जानकारी दी और बताया कि डबरी निर्माण पर शासन द्वारा 3 लाख की सहायता राशि दी जाती है। इससे मछली, बत्तख पालन जैसी आजीविका गतिविधियों के साथ ही पानी का उपयोग सिंचाई व निस्तारी के लिए किया जा सकता है। जनपद अध्यक्ष श्री रामकुमार कौशिक ने विशेष रूप से जीरामजी के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीराम के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत किया जा रहा है। इससे गांव आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। जल संरक्षण क्षेत्र में काम करने वाले वाटर हीरो के नाम से मशहूर जल संरक्षण कार्यकर्ता श्री नीरज वानखेड़े ने जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व, गिरते भू-जल स्तर और इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी। उनके द्वारा वर्षा जल संचयन, जल-स्रोतों के संरक्षण, खेत तालाब निर्माण, मिट्टी कटाव रोकने तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग जैसे विषयों पर विस्तार से बताया गया। यहां मॉडल के जरिए यह बताया कि किस तरह गांवों में भू जल संवर्धन से हरियाली लाई जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा भविष्य में जल बचाने और भू-संरक्षण गतिविधियों को अपनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रम सिंह, जनपद पंचायत बिल्हा के सीईओ श्री कुमार सिंह, परसदा के सरपंच जितेन्द्र निर्गेजा सहित बड़ी संख्या में जनपद के अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामीण और समूह की दीदियां उपस्थित थीं।

जिले में औद्योगिक निवेश को मिलेगी नई रफ्तार.....

बिलासपुर। जिले में औद्योगिक विकास एवं निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले में प्रस्तावित नए उद्योगों की स्थापना से संबंधित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि जिले में 43 प्रकार के विभिन्न उद्योग पाइपलाइन में हैं। वर्ष 2025-26 में 36 लघु और सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हुई है। इसमें 49 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश हुआ है और लगभग 3 सौ लोगों को रोजगार मिला है। बैठक में नए उद्योगों को प्रदान किए जाने वाले अनुदान एवं प्रोत्साहन संबंधी मामलों की समीक्षा की गई तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि जिले में उद्योगों की स्थापना से न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निवेशकों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने एवं सभी स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को अधिकाधिक पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने एवं स्वीकृत प्रकरणों का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, उद्योग विभाग के सीजीएम श्री टेकाम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संगठित अपराध पर लगाम लगाने का आई जी ने दिए गए निर्देश.....

कोरबा। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामगोपाल गर्ग सोमवार को कोरबा प्रवास पर रहे। यहां उन्होंने एसपी कार्यालय के सभागृह में मीडिया से चर्चा की। इस दौरान आईजी ने संगठित अपराध पर लगाम लगाने की बात कही। उन्होंने समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप पुलिसिंग पर जोर दिया। अपराधियों में खौफ और आम लोगों में पुलिस की अच्छी छवि के लिए कार्य पर जोर देने की बात कही। यह भी कहां कि थाना प्रभारियों की बैठक लेकर उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। कर आने वाले समय में इसका रिव्यू कियाव जाएगा। आईजी की मौजूदगी में सशक्त मोबाइल एप लॉन्च किया गया। इसमें चोरी हुए वाहनों का डेटाबेस मौजूद रहेगा। यदि कोई सद्धिग्ध वाहन दिखता है, तो इस एप के जरिए यह पता लगाया जा सकता है, कि वह चोरी का वाहन है या नहीं। इसके अलावा कुछ दिनों में एक क्यूआर कोड फीडबैक के लिए जारी किया जाएगा, जो सभी थानों में मौजूद होगा। यह सीधे आईजी कार्यालय से मॉनिटर होगा। किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा गलत व्यवहार या अनैतिक कृत्य की शिकायत इस फीडबैंक क्यूआर के जरिये की जा सकती है। शिकायत के आधार पर जांच के बाद संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। आईजी ने कहा कि थाना- चैकी प्रभारियों की बैठक ली गई है। उन्हें स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया गया है कि वह थाने पहुंचने वाली जनता से अच्छा व्यवहार रखें। संगठित अपराधों पर पूरी तरह से लगाम लगाएं। इस तरह के किसी भी संगठित अपराधों को किसी भी स्तर पर न पनपने दें। एसपी को यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस तरह की बातों का ध्यान रखा जाए। यदि किसी पुलिसकर्मी की शिकायत मिलती है और वह गलत कृत्य में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करें। बेहतर पुलिसिंग के लिए आईजी ने लोगों के फीडबैक का एक सिस्टम शुरू करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जल्द रेंज स्तर से एक फीडबैंक क्यूआर कोड जारी किया जाएगा, जो सभी थानों में लगाया जाएगा। इसे स्कैन करने के बाद आम जनता एक फीडबैक पुलिस की कार्य प्रणाली के विषय में दे सकती है। उनसे किस तरह का व्यवहार हुआ, यह जानकारी जनता दे सकती है। यह फीडबैक सीधे आईजी कार्यालय में त आएगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,बिलासपुर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का आज समापन

■ महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का आज न्यू ऑडिटोरियम, तितली चौक, रेलवे कॉलोनी, बिलासपुर में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे श्री तरुण प्रकाश थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अपर महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण, निर्णायक मंडल, प्रतिभागी कलाकार तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि यह प्रतियोगिता प्रतिभाओं के प्रदर्शन के साथ-साथ

भारतीय रेलवे की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा एवं अखिल भारतीय एकता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में सहभागिता और प्राप्त अनुभव भविष्य में और बेहतर उपलब्धियों की प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने आयोजन समिति, निर्णायक मंडल, तकनीकी टीम तथा इस आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा करते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि दिनांक 02 एवं 03 फरवरी 2026 को आयोजित इस प्रतियोगिता में लाइट वोकल, क्लासिकल वोकल, लाइट म्यूजिक इंस्ट्रूमेंटल तथा क्लासिकल म्यूजिक इंस्ट्रुमेंटल, इन चार विधाओं में प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित 14 क्षेत्रीय रेलों, रेलवे बोर्ड तथा 5 उत्पादन इकाइयों से कुल 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समारोह के अंत में महाप्रबंधक द्वारा विभिन्न विधाओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार सूची: लाइट म्यूजिक (वोकल) प्रथम पुरस्कार-श्रुति गुप्ता, पूर्व रेलवे, द्वितीय पुरस्कार-प्रेरणा अनुपम, पश्चिम रेलवे।

एसईसीएल में सीआईएल अंतर-कंपनी हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ

■ 4 से 7 फरवरी के बीच बहतराई स्टेडियम के एस्ट्रो तरफमैदान में खिताब के लिए भीड़ रही हैं 8 टीमें

■ 1 दशक के लंबे इंतज़ार के बाद एसईसीएल कर रहा है टूर्नामेंट की मेजबानी

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के तत्वावधान में कोल इंडिया अंतर-कंपनी हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य एवं उत्साहपूर्ण शुभारंभ स्व. श्री बी.आर. यादव अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मैदान, बहतराई, बिलासपुर में सम्पन्न हुआ। पूरे आयोजन में ऊर्जा, अनुशासन एवं खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह प्रतियोगिता दिनांक 04 से 07 नवम्बर 2026 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के मध्य रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (वित्त) श्री डी सुनील कुमार एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन उपस्थित रहे। इसके साथ ही श्री रोहताश्व बाजपेयी, अध्यक्ष, हॉकी बिलासपुर, श्रमसंघ प्रतिनिधियों में एसईसीएल कल्याण मण्डल के सम्मानित सदस्य श्री बजरंगी शाही, श्री राजेश शर्मा एवं श्री पी. चंद्रकांत की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही एसईसीएल मुख्यालय कल्याण मंडल समिति, जेसीसी सदस्य, क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य, समस्त काउंसिल एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सर्वप्रथम सभी टीमों द्वारा आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत कर अतिथियों को सलामी दी गई। इसके पश्चात निदेशक मंडल एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा गोल पोस्ट पर प्रतीकात्मक गोल कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया गया। अतिथियों द्वारा सभी टीमों के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उन्हें आगामी मैचों हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। अपने संबोधन में श्री बिरंची दास ने कहा, खेल संगठन में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यह प्रतियोगिता कोल इंडिया परिवार की खेल भावना और समन्वय का प्रतीक है। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों द्वारा टूर्नामेंट का पहला गोल कर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की की शुरुआत में अतिथियों का भंगरा नृत्य से जोरदार स्वागत किया गया।

श्री रामलला दर्शन की अभिलाषा लेकर श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना.....

■ आस्था स्पेशल ट्रेन से बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं ने शुरू की पावन यात्रा

■ जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। आस्था, विश्वास और भावनाओं से भरा एक ऐतिहासिक व अविस्मरणीय दृश्य आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला, जब श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस पावन अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने श्रद्धालुओं से भरी विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने इस अवसर पर कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का सम्मान है, जिसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को प्रभु श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल भी उपस्थित रहे। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भव्य और भावनात्मक वातावरण बनाया गया था। गाजे-बाजे, पारंपरिक

नृत्य, तिलक, फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा के बीच जब श्रद्धालु स्टेशन पहुंचे, तो पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं के चेहरों पर अपार उल्लास, श्रद्धा और भावुकता स्पष्ट दिखाई दे रही थी। अयोध्या धाम के साथ-साथ ये श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। जीपीएम जिले के पेण्ड्रा निवासी श्री श्रवण गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गुप्ता ने कहा कि श्री रामलला के दर्शन करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है, जो मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी सुव्यवस्थित और सम्मानजनक व्यवस्था एक सपना साकार होने जैसा है। कोटा निवासी श्रीमती सरोज जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशीलता के कारण आज अनेक महिलाओं को श्री रामलला के दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिसके लिए वे उनके प्रति कृतज्ञ हैं। वहीं बाराद्वार के श्री गिरिलाल राठौर एवं जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ निवासी श्री जगन्नाथ प्रसाद सहित अन्य दर्शनार्थियों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय और भावनात्मक क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

घर की रोजाना सफाई में पोछा लगाना बहुत जरूरी

घर को साफ और स्वच्छ रखने के लिए रोज पोछा लगाना बहुत जरूरी होता है। लेकिन केवल पोछा लगा देना ही काफी नहीं होता, बल्कि यह भी जानना जरूरी है कि पोछा लगाने के पानी में क्या डालें, जिससे फर्श अच्छी तरह साफ हो और उसमें चमक भी बनी रहे। सही चीज मिलाने से गंदगी जल्दी हटती है, बदबू नहीं आती और घर में साफ-सफाई का एहसास बना रहता है। कुछ लोग सिर्फ पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ लोग साबुन, फ्लोर क्लीनर या घरेलू चीजें जैसे नींबू और सिरका मिलाते हैं। सही तरीके से और सही मात्रा में डाली गई चीजें फर्श को नुकसान पहुंचाए बिना उसे साफ और सुरक्षित रखती हैं। इसलिए पोछा लगाने से पहले यह जानकारी होना जरूरी है कि कौन-सी चीज फर्श के लिए सही है और कैसे इस्तेमाल करनी चाहिए।

पहले झाड़ू जरूर लगाएं
पोछा लगाने से पहले झाड़ू या वैक्यूम कर लें। इससे धूल-मिट्टी हट जाती है ।

पोछा साफ होना चाहिए
गंदे पोछे से फर्श और ज्यादा गंदा हो जाता है। पोछा लगाने से पहले उसे अच्छे से धो लें।

पानी बहुत ज्यादा न हो
बहुत गीले पोछे से फर्श चिपचिपा हो सकता है और फिसलने का डर रहता है।

साफ पानी का इस्तेमाल करें
एक ही गंदे पानी से पूरा घर पोछा न लगाएं। जरूरत पड़े तो बीच-बीच में पानी बदलें।

कोनों और फर्नीचर के नीचे ध्यान दें
दीवारों के पास, कोनों और बेड-सोफा के नीचे ज़्यादा गंदगी जमा होती है।

एक ही दिशा में पोछा लगाएं
इधर-उधर पोछा घुमाने की जगह एक दिशा में लगाएं, इससे सफाई बेहतर होती है।

सही क्लीनर का इस्तेमाल करें
फर्श के हिसाब से क्लीनर चुनें मार्बल, टाइल या वुडन फ्लोर के लिए अलग-अलग।

हवादार रखें
पोछा लगाने के बाद खिड़की-दरवाज़े खोल दें ताकि फर्श जल्दी सूख जाए।

अंत में पोछा धोकर सुखाएं
इस्तेमाल के बाद पोछे को धोकर धूप या हवा में सुखाना जरूरी है।

फिसलन से बचाव करें
पोछा लगाने के तुरंत बाद फर्श पर चलने से बचें, खासकर बच्चों और बुजुर्गों का ध्यान रखें।

घर में मनी प्लांट लगाने से पहले जान लें ये 4 जरूरी नियम

वास्तु शास्त्र का महत्व हमारे जीवन में काफी गहरा होता है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान इसमें बताये गए नियमों का सही से पालन किया जाए तो इसके परिणाम काफी ज्यादा शुभ होते हैं वहीं, अगर इसमें बताये गए नियमों को अनदेखा किया जाए तो जीवन में परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। हमारे इसी वास्तु शास्त्र में घर पर मनी प्लांट को रखने को लेकर भी कुछ खास नियम बताये गए हैं। मान्यताएं हैं कि घर पर अगर मनी प्लांट को सही तरीके से लगाया है तो इससे जीवन में सुख-समृद्धि और पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है। लेकिन, अगर इसे गलत तरीके से रखा जाए तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको वास्तु शास्त्र में बताये गए कुछ ऐसे नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका ख्याल आपको घर पर मनी प्लांट लगाने से पहले जरूर रखना चाहिए।

1 सही दिशा में लगाएं मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको घर पर मनी प्लांट हमेशा ही दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इस दिशा को भगवान गणेश और शुक्र ग्रह से जुड़ा हुआ माना जाता है। जब आप इस दिशा में मनी प्लांट को रखते हैं तो जीवन में सुख और पैसे बढ़ने लगते हैं। इसके अलावा पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। आपको इस बात का खास ख्याल रखना है कि आप उसे कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में न लगाएं। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको पैसों से जुड़ी दिक्कतों से जूझना पड़ सकता है।

2 जमीन पर फैलने न दें बेल

वास्तु के अनुसार अगर मनी प्लांट की बेल जमीन पर फैलने लगे तो ये काफी ज्यादा अशुभ होता है। अगर किसी घर में ऐसा हो तो उसकी तरक्की रुक जाती है और पैसों से जुड़ी दिक्कतों का होना भी शुरू हो जाता है। इस बात का ख्याल रखें कि मनी प्लांट की जो बेल है वह हमेशा ही ऊपर की तरफ बढ़े। आप अगर चाहें तो इसे दीवार या फिर एक स्टैंड की मदद से भी ऊपर की तरफ बढ़ने के लिए सहारा दे सकते हैं।

3 सूखे या पीले पत्तों को तुरंत हटाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार जब मनी प्लांट के पत्ते सूख जाते हैं या फिर उसके पत्ते पीले पड़ जाते हैं तो ये निगेटिव एनर्जी को अट्रैक्ट करने लगते हैं। अगर पत्ते सूख गए हैं या फिर पीले पड़ गए हैं तो आपको इसे तुरंत हटा देना चाहिए। आपको इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि आप इस पौधे की सही देखभाल जरूर करें। एक हेल्दी मनी प्लांट घर में खुशहाली और तरक्की लेकर आता है।

4 घर के अंदर पौधा लगाना होता शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको मनी प्लांट को हमेशा ही घर के अंदर लगाना चाहिए। ऐसा करना ही सबसे ज्यादा शुभ होता है। आप इसे या तो लिविंग रूम या फिर बालकनी में भी लगा सकते हैं। जब पौधे को घर की इन जगहों पर लगाते हैं तो परिवार में सुख-शांति बढ़ती है और साथ आर्थिक उन्नति के रास्ते खुल जाते हैं।

फेस की स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाने के उपाय

फेस की स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रखने के लिए उबटन और फेसपैक हमेशा से इस्तेमाल किए जाते रहे हैं। घर में बनी हल्दी, चंदन, मुल्तानी मिट्टी और दही की फेसपैक हो या मार्केट में मिलने वाली फेसपैक, ये स्किन को तमाम तरह के बेनिफिट्स देती हैं। डेड स्किन रिमूव करना, स्किन को इंस्टेंट ग्लो देना, टैनिंग रिमूव करना हो या डार्क स्पॉट्स और पिगमेंटेशन को रिमूव करना, फेस पैक इन सभी में हेल्प करती हैं। हालांकि कई बार फेसपैक और उबटन इस्तेमाल करते हुए हम कई गलतियां कर बैठते हैं, जिस वजह से स्किन को पूरा फायदा नहीं मिल पाता। न्यूट्रीशनिस्ट ने ऐसी ही 3 गलतियों के बारे में बताया है, जो आपको फेस पैक या उबटन लगाते हुए बिल्कुल भी नहीं करनी हैं।

अगर आपको लगता है कि फेसपैक ज्यादा लगा लेंगी और बहुत देर तक लगी रहने देंगी, तो स्किन ज्यादा ग्लो करेगी, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं कि ज्यादा देर तक फेसपैक को लगे रहने देना एक बड़ी गलती है। आपको 15-20 मिनट के लिए फेसपैक नहीं लगानी है, बस 5-10 मिनट के लिए ही लगा हुआ रहने दें। फेसपैक से जुड़ी दूसरी गलती जो ज्यादातर लोग करते हैं, वो है अपने स्किन टाइप के मुताबिक फेसपैक इस्तेमाल ना करना। हर स्किन के लिए फेसपैक अलग होती है। अगर आपकी पित्त टाइप स्किन है तो कूलिंग फेसपैक लगाएं, वात टाइप स्किन के लिए नरिशिंग फेसपैक अच्छी रहती है। वहीं कफ टाइप स्किन के लिए लाइट और ड्राइंग फेसपैक चुननी चाहिए। अगर आप गलत फेसपैक अप्लाई करती हैं तो इरीटेशन और ब्रेकआउट हो सकते हैं। ग्लोइंग स्किन के चक्कर में फेसपैक को ओवरयूज करना सही नहीं है। अगर आप रोज-रोज फेसपैक लगा रही हैं, तो स्किन बैरियर कमजोर हो सकता है। न्यूट्रीशनिस्ट सलाह देती हैं कि हफ्ते में सिर्फ दो बार ही फेसपैक इस्तेमाल करनी चाहिए। ग्लोइंग और हेल्दी स्किन के लिए इतना काफी होता है।

फ्रिज से जुड़े हैक जो आसान कर देंगे आपके कई काम

क्या आप जानती हैं कि फ्रिज के और भी कई इस्तेमाल हैं, जो आपके कई काम आसान बना सकते हैं? आज हम आपके साथ इसी से जुड़े स्मार्ट हैक शेयर कर रहे हैं।

फ्रिज से जुड़े कमाल के हैक

फ्रिज आजकल लगभग हर घर की जरूरत बन चुका है। खाने की स्टोरेज से ले कर आइसक्रीम या बर्फ जमाने तक, फ्रिज डेली के कई काम निपटा देता है। वैसे क्या आप जानती हैं कि फ्रिज के और भी कई इस्तेमाल हैं, जो आपके कई काम आसान बना सकते हैं? आज हम आपके साथ इसी से जुड़े स्मार्ट हैक शेयर कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर ज्योति प्रकाश देहलीवाल ने इन्हें साझा किया है। तो चलिए फटाफट जान लेते हैं।

ज्यादा देर तक जलेगी मोमबत्ती

इमरजेंसी के लिए मोमबत्ती हर घर में होती है। सबसे बढ़िया रहेगा कि आप अपनी मोमबत्ती को फ्रीजर में स्टोर कर के रख लें। इसके बाद आप जब भी मोमबत्ती जलाएंगी वो ज्यादा देर तक जलेगी।

फटाफट जमेगी बर्फ

फटाफट बर्फ जमानी है तो सबसे पहले पानी को हल्का गुनगुना कर लें। अब इसे आइस ट्रे में डालकर जमने के लिए छोड़ दें। बर्फ फटाफट जम जाएगी।

फ्रिज में नहीं आएगी बदबू

कई बार फ्रिज में बदबू आने लगती है। इसके लिए एक कटोरी में थोड़ा सा बेकिंग पाउडर और नींबू का रस मिक्स कर के रख दें। फ्रिज एकदम फ्रेश स्मेल करेगा।

कुकर की रबड़ टाइट करें

कुकर में लगाने वाली रबड़ कई बार ढीली हो जाती है। इसे दोबारा टाइट करने के लिए लगभग एक घंटा फ्रीजर में रख दें। अब जब आप इसे कुकर में लगाएंगी तो ये आराम से लग जाएगी।

फ्रिज की रबर को ऐसे करें क्लीन

फ्रिज के डोर पर लगी रबर इस्तेमाल के साथ काफी गंदी हो जाती है। इसके गैप में गंदगी इकट्ठा हो जाती है, जिसे निकलना काफी मुश्किल होता है। इसके लिए डिशवॉश जेल और बेकिंग सोडा मिक्स करें। अब एक कपड़े को इसमें भिगोएं और एक कार्ड में लपेट लें। कार्ड की मदद से आप रबर के किनारों को अच्छे से क्लीन कर पाएंगी।

फ्रिज में रखें कोयला

फ्रिज में एक कटोरी रखें जिसमें दो-तीन कोयले जरूर रखें। इससे फ्रिज में बनने वाली कार्बन डाइऑक्साइड और खतरनाक गैस एब्जॉर्ब हो जाती हैं।

फ्रिज का टेंपरेचर चेंज करती रहें

फ्रिज और फ्रीजर का टेंपरेचर मौसम के साथ चेंज करना जरूरी है। इसके लिए फ्रिज के साथ आए मैनुअल इंस्ट्रक्शन को फॉलो करें और उसी हिसाब से टेंपरेचर की सेटिंग करें।

खतरनाक आदत रात को देर तक जागना

संदीदा टीवी शो या एक दिलचस्प किताब को पढ़ने के लिए क्या आप रोजाना देर रात तक जागते है? यह बात जानकर आपको हैरानी होगी कि यह आदत आपके दिल के स्वास्थ्य को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा रहा है।
एक बड़े अध्ययन में पाया गया है कि जो लोग रात में अधिक सक्रिय होते हैं, उनकी हृदय स्वास्थ्य सामान्य जनसंख्या की तुलना में खराब होता है।

इस अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता ने कहा, 'यह नहीं है कि देर रात तक जागने वाले बर्बाद हो गए हैं। चुनौती आपके आंतरिक घड़ी और दैनिक कार्यक्रमों के बीच असंगति की है, जो हृदय-स्वस्थ व्यवहारों का पालन करने को कठिन बनाती है।

'आपके शरीर की आंतरिक घड़ी और आपका दिल:
प्रमुख शोधकर्ता के अनुसार, हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण है, और पर्याप्त नींद ना लेना हृदय के दौरे और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के लिए एक बड़ा कारक है। आपका शरीर एक सर्केडियन रिदम पर चलता है-एक 24 घंटे की आंतरिक घड़ी जो नींद, हार्मोन का उत्सर्जन, रक्तचाप और हृदय गति को नियंत्रित करती है। जब आप देर रात तक कृत्रिम रोशनी में जागते हैं, तो यह प्रणाली भ्रमित हो जाती है।

रात में, सामान्यत:
आपका रक्तचाप और हृदय गति कम हो जाती है, जिससे आपके दिल को आराम करने का मौका मिलता है। लेकिन देर रात तक जागने और अनियमित नींद के कारण यह समय कम हो जाता है, जिससे दिल को लंबे समय तक अधिक मेहनत करनी पड़ती है।

अध्ययन कैसे किया गया:
इस अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक में 300,000 से अधिक मध्य आयु और वृद्ध वयस्कों का अनुसरण किया। लगभग 8 प्रतिशत लोगों ने अपने आप को देर रात तक जागने वाले व्यक्ति के रूप में वर्गीकृत किया, जो शाम के समय अधिक सक्रिय होते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि रात के उल्लूओं में सामान्य जनसंख्या की तुलना में पहले हृदय के दौरे या स्ट्रोक का जोखिम 16 प्रतिशत अधिक था।

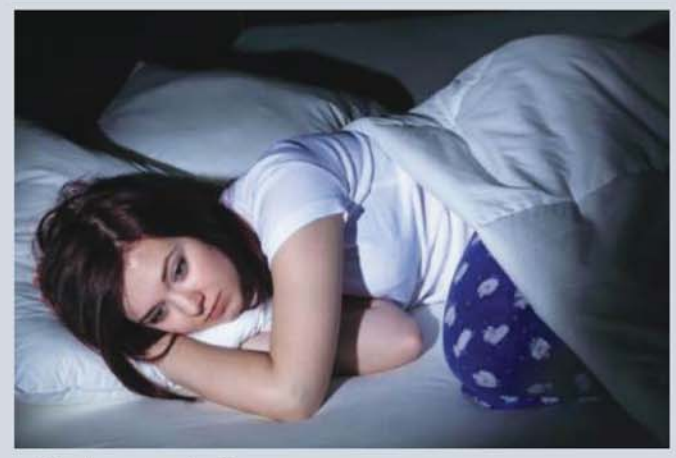

मुख्य कारण क्या हैं:
शोधकर्ताओं के अनुसार, तीन मुख्य अस्वस्थ व्यवहार हैं : धूम्रपान, अपर्याप्त और अनियमित नींद और खराब आहार।
रात को देर तक जागने वालों का मेटाबोलिज्म दिन के दौरान बदलता रहता है, जिससे उन्हें सुबह जल्दी खाई गई उच्च-कैलोरी नाश्ते को संभालना कठिन हो जाता है। इसके अलावा, देर रात बाहर जाने पर स्वस्थ भोजन विकल्प खोजना भी मुश्किल हो जाता है।

दिल की देखभाल कैसे कर सकते हैं: हालांकि तुरंत सुबह का पक्षधर बनना संभव नहीं है, लेकिन रात को जागने वाले अपनी हृदय स्वास्थ्य को सुधारने के लिए कुछ छोटे और व्यावहारिक बदलाव कर सकते हैं:

हर दिन एक ही समय पर सोना और जागना
बिस्तर पर जाने से कम से कम एक घंटे पहले स्क्रीन के संपर्क को कम करना। रात में भारी भोजन, शराब और कैफीन से बचना। सुबह की रोशनी और नियमित शारीरिक गतिविधि को प्राथमिकता देना।

आलू के पराठे

आलू का पराठा सिर्फ एक डिश नहीं, बल्कि इमोशन है। बच्चे हों या बड़े, गरमा-गरम आलू का पराठा और साथ में चाय, भला किसे पसंद नहीं होगा ये जबरदस्त कॉम्बिनेशन। खैर, नॉर्मल आलू का पराठा तो हर घर में बनता है। वही बेसिक मसाले और आलू वाली स्टफिंग। लेकिन आलू के पराठे को और टेस्टी ट्विस्ट देना है तो ये वाली रेसिपी जरूर ट्राई करें। आलू की स्टफिंग के साथ-साथ आपको बस ये एक मसाला बनाकर भरना है, पराठे का स्वाद दोगुना हो जाएगा। जिन लोगों को चटपटा और स्पाइसी खाना पसंद है, उनके लिए तो ये वाली रेसिपी ट्राई करना बनता है। शेफ रोशन मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर इस रेसिपी को शेयर किया है, आइए जानते हैं।

ढाबा स्टाइल आलू का पराठा बनाने के लिए सामग्री

एकदम चटपटा, स्पाइसी ढाबा स्टाइल आलू पराठा बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत पड़ेगी वो हैं - गेहूं का आटा, अजवाइन, नमक, उबले हुए आलू (3-4), 1 प्याज, हरी मिर्च (2-4), हरा धनिया, गरम मसाला (1/4 चम्मच), चाट मसाला (1/4 चम्मच), नमक (स्वादानुसार), लहसुन की कलियां (10-12), सूखा नारियल (2 इंच), लाल मिर्च पाउडर (आधा चम्मच), काला नमक।

अनोखे अंदाज में बनाएं आलू का पराठा

आलू का पराठा बनाने के लिए सबसे पहले डो तैयार करें। गेहूं के आटे में हल्का सा अजवाइन क्रश कर के डालें, थोड़ा सा नमक मिलाएं और सख्त सा आटा लगाकर तैयार कर लें। आटे को रेस्ट करने दें, तब तक स्टफिंग तैयार कर लें। इसके लिए एक बाउल में बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च और हरा धनिया लें। साथ में उबले हुए आलू कद्दूकस कर लें। ऊपर से गरम मसाला, चाट मसाला और स्वादानुसार नमक मिलाएं और सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करते हुए एक स्टफिंग तैयार कर लें।

आलू के पराठे में मिलाएं ये चटपटा मसाला

स्टफिंग बनाने के बाद चटपटा सा मसाला बनाकर तैयार कर लें। इसके लिए मिक्सर जार में लहसुन की कलियां, सूखे नारियल के टुकड़े, लाल मिर्च पाउडर और काला नमक डालें और सभी को पीसकर एक मसाला तैयार कर लें।

स्टफिंग के साथ भरें ये मसाला

सबसे पहले आटे की लोई को हल्के हाथों से दबाते हुए फ्लैट कर लें। अब आपने जो चटपटा मसाला बनाकर तैयार किया है, उसे पराठे में भरें। फिर आलू की तैयार स्टफिंग पराठे में डालें। पराठा बेल लें और सुनहरा होने तक दोनों तरफ से सेंक लें। बहुत ही चटपटा और टेस्टी आलू का पराठा बनकर तैयार होता है।

मेथी के लड्डू खाने के जादुई फायदे

सर्दियों में लोग अकसर शरीर को ठंड से बचाने और इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए कई तरह के लड्डू बनाकर खाते हैं। तिल-गुड़, आटे-गोंद, मेथी और अलसी जैसे हर लड्डू की अपनी एक अलग विशेषता और गुण है। यही वजह है कि आयुर्वेद में इन लड्डुओं को 'सुपरफूड' कहा जाता है। बात अगर मेथी के लड्डू की करें तो आमतौर बच्चे इसके कड़वे स्वाद की वजह से इसे देखकर अक्सर मुंह बनते हैं। लेकिन जब यही कड़वी मेथी गुड़, सोंठ और ढेर सारे सूखे मेवों के साथ मिलकर लड्डू का रूप लेती है, तो वह एक बेमिसाल स्वादिष्ट औषधि बन जाती है।

आयुर्वेद के अनुसार इसका सेवन विशेष रूप से जोड़ों के दर्द, कमजोरी और महिलाओं की सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। आइए जानते हैं मेथी के लड्डू खाने से सेहत को मिलते हैं क्या गजब के फायदे।

जोड़ों के दर्द :- मेथी की तासीर गर्म होने के साथ इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं, जो घुटनों और जोड़ों के दर्द में राहत देते हैं। दरअसल, सर्दियों में वात दोष बढ़ने से जोड़ों में दर्द, जकड़न या आर्थराइटिस की समस्या होने लगती है। सर्दियों में जोड़ों में होने वाली जकड़न के लिए यह बेहतरीन घरेलू उपाय हो सकता है।

पाचन तंत्र होता है दुरुस्त :-मेथी में फाइबर की प्रचुर मात्रा मौजूद होती है, जो कब्ज, गैस और अपच की समस्या को दूर करके पेट साफ और पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है।

ब्लड शुगर होता है कंट्रोल :- मेथी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करती है। मेथी में पाया जाने वाला गैलेक्टोमैनन, जो एक घुलनशील फाइबर है, आंतों में कार्बोहाइड्रेट और शुगर के अवशोषण को धीमा करता है, जिससे भोजन के बाद रक्त शर्करा में अचानक वृद्धि नहीं होती और ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित करने में मदद मिलती है। डायबिटीज के मरीजों के लिए बिना चीनी वाले लड्डू फायदेमंद हो सकता है।

सहारा कंपनी में जमा राशि नहीं मिली, आवेदक ने की शिकायत, जनदर्शन में कुल 165 आवेदन हुए प्राप्त

नहर पुल के जर्जर होने से परेशान मोरिदवासी, पुनर्निर्माण की मांग

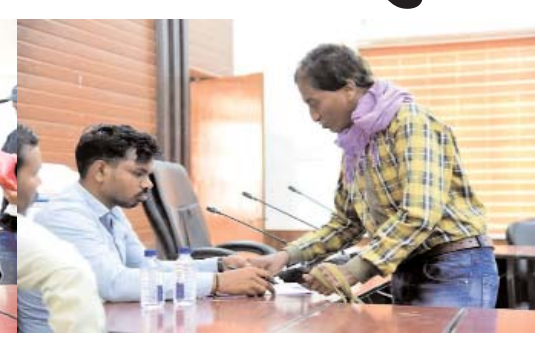

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 165 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में भिलाई चरोदा नगर निगम के वार्ड 39 ग्राम मोरिद निवासियों ने नहर के पुल को पुर्ननिर्माण कराने आवेदन दिया। ग्रामवासियों ने बताया कि नहर पुल दुर्घटनाओं का कारण बन गया है। सड़क सीमेटीकरण के बाद पुल सड़क के बराबर हो गया है, जिसके कारण दुर्घटना होते रहती है। पुल पुराना और संकरा होने के साथ ही कचरे से भरा है, जिससे पानी की निकासी बाधित हो रही है और नहर का पानी सड़क पर बह रहा है। स्थानीय लोगों ने पुल के पुनर्निर्माण की मांग की है। इसी प्रकार उप स्वास्थ्य केन्द्र मोरिद में बुनियादी सुविधाओं उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि केन्द्र में एकमात्र ए.एन.एम. की ड्यूटी के कारण सप्ताह में कई दिन ओपीडी बंद रहती है। स्वास्थ्य केंद्र में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। शुगर व बीपी की दवाइयाँ लंबे समय से उपलब्ध नहीं है। बीपी मापने की मशीन छह माह से खराब है, वहीं शुगर जांच की स्ट्रिप्स न होने से मरीजों को परेशानी हो रही है, जिससे गरीब तबके के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने को कहा। सुपेला निवासी ने सहारा कंपनी में जमा राशि दिलाने आवेदन दिया। सहारा कंपनी में वर्ष 2015 में जमा की गई एफडी की राशि अब तक नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उसने कुल 8 एफडी में 1.50 लाख रुपये जमा किए थे। कंपनी में ऑनलाइन आवेदन किया गया था, जिसमें 45 दिनों के भीतर भुगतान का आश्वासन दिया गया था। लेकिन आवेदन के कई महीने बीत जाने के बावजूद अब तक एक भी पैसा नहीं मिला है। बार-बार ऑनलाइन स्टेटस चेक करने पर केवल प्रोसेस में है बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वह रोजी-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है और कर्ज लेकर जीवनयापन कर रहा है। लगातार आर्थिक दबाव के कारण वह मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित नोडल अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

केन्द्रीय बजट से महिलाओं की शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा : छात्राएं

दुर्ग। दुर्ग जिले के महिला महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं अदिति मौर्य और खुशबू, जो मूलतः जगदलपुर की निवासी हैं, ने केंद्रीय बजट को दूरदर्शी और सभी वर्गों के हित में बताया है। छात्राओं का कहना है कि इस बजट में महिलाओं, छात्राओं और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले युवाओं की जरूरतों को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है। छात्राओं ने बताया कि उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दूसरे जिलों में आने वाली छात्राओं को आवास की सबसे बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। हॉस्टल की सुविधा नहीं होने के कारण कई छात्राएं अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं या फिर पीजी में रहकर पढ़ाई करती हैं, जहां शैक्षणिक माहौल अनुकूल नहीं मिल पाता। वनांचल क्षेत्रों की छात्राओं के लिए यह समस्या और भी गंभीर है। ऐसे में केंद्रीय बजट में छात्रावास (हॉस्टल) सुविधा की घोषणा से बाहर से आकर पढ़ने वाली छात्राओं को सुरक्षित और अनुकूल वातावरण मिलेगा, जिससे वे बिना किसी चिंता के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगी। छात्राओं ने कहा कि यह बजट महिलाओं को आत्मनिर्भरता और सशक्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।
उन्होंने महिलाओं पर केंद्रित इस बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

ऊर्जा के प्रति जिम्मेदार बनेंगे छात्र, सीएसपीडीसीएल के रजत महोत्सव पर पहांदा स्कूल में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के रजत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पहांदा में विद्यार्थियों के लिए विशेष जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।
विद्यार्थियों में ऊर्जा के प्रति जिम्मेदारी और समझ विकसित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सौर ऊर्जा और बिजली की बचत पर केंद्रित निबंध एवं नारा लेखन प्रतियोगिता के साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता में स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य को रंगों के माध्यम से उकेरा गया। सीएसपीडीसीएल की सेवाओं और ऊर्जा संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के दौरान पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यपालन अभियंता, पाटन संभाग बी. पी. दीपक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल बच्चों की रचनात्मकता बढ़ती है, बल्कि वे ऊर्जा के प्रति जिम्मेदार नागरिक भी बनते हैं। सहायक अभियंता धर्मेन्द्र देवांगन और कनिष्ठ अभियंता सुस्वाति गौतम ने सौर ऊर्जा के लाभ और सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर सेजस पहांदा के प्राचार्य जे. पी. पाण्डेय सहित सीएसपी डीसीएल के कर्मचारी नेतराम साहू, पुनीत वर्मा, कंचन चतुर्वेदी और विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों द्वारा स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और बिजली बचाने के संकल्प के साथ हुआ।

कानून की बारीकियों के साथ रचनात्मकता का संगम : अग्रिम विवेचना, जमानत और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पर कार्यशाला संपन्न

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में विधिक ज्ञान और कलात्मकता का एक अनूठा संगम देखने को मिला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के तत्वावधान में ÷अग्रिम विवेचना, जमानत एवं इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस÷ जैसे गंभीर, प्रासंगिक और समसामयिक विषयों पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रातः 10:00 बजे आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने कानून के तकनीकी पहलुओं को बहुत ही सरल अंदाज में प्रस्तुत किया। पल्लवी गुप्ता (सहायक जिला अभियोजन अधिकारी दुर्ग) ने 'अग्रिम विवेचना' की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक बेहतर विवेचना ही न्याय की नींव होती है। श्रीमती शिक्षा मेश्राम (सहायक जिला अभियोजन अधिकारी दुर्ग) ने 'जमानत' के नवीनतम प्रावधानों और प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी। सौरभ शेन्द्रे (असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम दुर्ग) ने वर्तमान डिजिटल युग में 'इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस' की महत्ता, संग्रहण और न्यायालय में उनकी ग्राह्यता पर सारगर्भित वक्तव्य दिया। इस अवसर पर अपने सारगर्भित उद्बोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने संबोधित किया कि बदलते दौर में अपराधों की प्रकृति हाईटेक हो गई है, ऐसे में अग्रिम विवेचना, जमानत एवं इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस की बारीकियों को समझना अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों के लिए अनिवार्य है। उन्होंने आपराधिक न्याय प्रणाली में अग्रिम विवेचना, जमानत के सिद्धांत तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इनके विधिसम्मत एवं संवेदनशील प्रयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।
कार्यक्रम के अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अग्रिम विवेचना, जमानत एवं इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस वर्तमान आपराधिक न्याय प्रणाली के अत्यंत महत्वपूर्ण विषय हैं। उन्होंने विवेचना को निष्पक्ष, वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत ढंग से किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे अपराध के सही अनावरण के साथ-साथ निर्दोष व्यक्तियों के अधिकारों की भी रक्षा होती है। जमानत के संदर्भ में उन्होंने 'बेल इज़ द रूल, जेल इज़ द एक्सेप्शन' के सिद्धांत का उल्लेख किया तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विधि के अनुरूप संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण को समय की आवश्यकता बताया।

रंगोली और पेंटिंग प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र : प्रतिभा ने मोहा मन

कार्यशाला की गंभीरता के बीच रचनात्मकता के रंगों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा विषय वस्तु पर आधारित एक भव्य और संदेशपरक रंगोली तथा बैनर तैयार किया गया था, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वह 'चित्रकला प्रदर्शनी' रही, जिसमें केन्द्रीय जेल दुर्ग के बंदियों और लीगल एड डिफेंस काउंसिल के स्टॉफ द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया गया। इन पेंटिंग्स के माध्यम से न केवल कला का प्रदर्शन हुआ, बल्कि बंदियों और विधिक कार्यकर्ताओं की छिपी हुई प्रतिभा और भावनाओं को भी एक मंच मिला। इस अवसर पर जिला न्यायालय दुर्ग के न्यायाधीशगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव, जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के अधिवक्तागण, अभियोजन अधिकारीगण और न्यायालयीन एवं विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आयुष्मान वय वंदन कार्ड अपडेट कार्य जारी

भिलाईनगर। आयुष्मान वय वंदना कार्ड भारत सरकार की एक विशेष स्वास्थ्य योजना है। इस योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिवर्ष 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलता है। यह कार्ड पीआईबी के अनुसार आय की परवाह किये बिना, सरकारी और निजी सूचिबद्ध अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा देता है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन आयुक्तों को निर्देशित किये है, कि शहर के 70 वर्ष या उससे अधिक वरिष्ठ नागरिको का वय वंदन कार्ड अपडेट किया जाना है। जिससे सरकार द्वारा प्रदाय की जाने वाली स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सके। जोन आयुक्त के मार्गदर्शन में जोन कार्यालय के कर्मचारी डोर-टू-डोर जाकर नागरिको से संपर्क रहे है, जिनका आयुष्मान वय वंदन कार्ड अपडेट नहीं हुआ है, उसे मौके पर ही किया जा रहा है। इस योजना में लगभग 2000 से अधिक मेडिकल प्रक्रियाओं के लिए मुफ्त इलाज, जिसमें सर्जरी, निदान और पुरानी बीमारियों का इलाज शामिल है। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे वे बिना किसी वित्तीय बोझ के अपना इलाज करवा सकते है। नगर निगम भिलाई का शहर के सभी नागरिको से अपील है कि आपके घर में बड़े बुजुर्गो हो तो उनका कार्ड जरूर अपडेट करावें।

नगर निगम भिलाई से 8 अधिकारी एवं कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई से सेवानिवृत्त होने वाले 8 अधिकारी/कर्मचारियों को स-सम्मान बिदाई दी गई। मुख्य कार्यालय सभागार में आज निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किये। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, मुख्य अभियंता भागीरथी वर्मा, उपायुक्त डी. के. कोसरिया एवं अधीक्षण अभियंता अजीत कुमार तिग्गा की उपस्थिति में अधीक्षण अभियंता संजय कुमार शर्मा, दीपक जोशी, समयपाल/कार्य सहायक ग्रेड-2 दामोदर सिंह वर्मा, डाटा एन्ट्री आपरेटर विश्वजीत सेनगुप्ता, पम्प सहायक सुदामा कुमार परगनिहा, चैकीदार रामकुमार शर्मा, सफाई कामगार मंगलराम एवं रेजा जमुना बाई को निगम प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। निगम आयुक्त सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के किये गये कार्यो को याद करते हुए शुभकानाएं दिये और शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त पश्चात परिवारिक दायित्व के निर्वहन में अपना समय देने हेतु आग्रह किये।
आयुक्त द्वारा कहा गया कि आगामी समय में अधिकारी एवं कर्मचारियों की कमी से निगम का कार्य और कठिन होता जायेगा, इसलिए हमे वरिष्ठों से अनुभव लेते हुए कार्य करना है। मुख्य अभियंता द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना किये। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी संजय कुमार शर्मा, दीपक कुमार जोशी एवं विश्वजीत सेनगुप्ता ने निगम में किये गये अपने अनुभव साझा किये और निगम के कार्य की सराहना करते हुए कहा गया कि निगम में जन्म, जीवन एवं अंतिम छण तक के लिए कार्य किया जाता है, जो कि अन्य विभागों में संभव नहीं है। बिदाई कार्यक्रम में जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, स्थापना अधीक्षक शालनी घुरऊ, चंदन निर्मल, शंकर सुमन मरकाम, शरद दुबे, रामवृक्ष यादव, पुरूषोत्तम साहू, राजेश पालवे, विदयाधर देवांगन एवं संगठन के पदाधिकारी श्रवण ठाकुर, वामन राव, नवीन साहू, राजसच्चर, हेमंचद बंजारे उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि की तैयारियाँ तेज: सांस्कृतिक पर्यटन समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन और सांस्कृतिक पर्यटन, मनोरंजन एवं विरासत संरक्षण समिति की प्रभारी हर्षिका संभव जैन की अध्यक्षता में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों ने आगामी 15 फरवरी को होने वाली महाशिवरात्रि, विभिन्न वार्षिक सांस्कृतिक आयोजनों तथा बजट प्रस्तावों पर विस्तृत विमर्श किया।महाशिवरात्रि पर होगा विशेष आयोजन, शिवनाथ सरोवर बनेगा केंद्र बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष महाशिवरात्रि का मुख्य आयोजन शिवनाथ सरोवर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। आयोजन में विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों, झांकियों एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।इसके साथ-साथ शहर के सभी वार्डों में मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक मरम्मत, रंग-रोगन, प्रकाश व्यवस्था एवं साफ सफाई को अभियान के रूप में किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। शहर सुंदरता अभियान को मिलेगी गति समिति सदस्यों ने यह स्पष्ट किया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ शहर की सुंदरता और विरासत संरक्षण भी प्राथमिकता में रहेगा। इस संदर्भ में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी शहर के चौक-चौराहों पर स्थापित मूर्तियों की साफ-सफाई, मरम्मत और संरक्षण किया जाएगा।शहर के सभी उद्यानों, गार्डन और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी। मंडई मेले में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को मंच उपलब्ध कराया जाएगा जिससे स्थानीय कलाकारों को बढ़ावा मिले। इन प्रयासों से नगर निगम न केवल शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना चाहता है बल्कि आम नागरिकों को स्वच्छ, आकर्षक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध वातावरण प्रदान करना चाहता है। हर वार्ड में पुस्तकालय की पहल शिक्षा व जागरूकता की दिशा में कदम बैठक में यह सुझाव दिया गया कि शहर के प्रत्येक वार्ड में पुस्तकालय की स्थापना की जाए, जिससे बच्चों, युवाओं और बुजुर्गो को ज्ञानवर्धक संसाधन उपलब्ध हों। यह पहल शहर को एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित करने में सहायक होगी।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जिले के विकासखण्ड दुर्ग-पाटन के विभिन्न शालाओं का औचक निरीक्षण

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा द्वारा जिले के विकासखण्ड दुर्ग/पाटन के विभिन्न शालाओं का औचक निरीक्षण किया गया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बालाजी नगर खुर्सीपार के निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को मध्यान्ह भोजन गंदे स्थान पर परोसा जा रहा था तथा परिसर में गंदगी के बीच छात्र-छात्राएं भोजन करते पाये गये कोई भी शिक्षक देखभाल के लिए नहीं थे जिसके लिए प्रधानपाठक मीनूलाल को नोटिस जारी किया गया है। शास.उ.मा.वि. सेक्टर-11 जोन-02 खुर्सीपार के निरीक्षण दौरान संस्था के निम्न उल्लेखित कर्मचारीगण 10.00 बजे तक विद्यालय नहीं पहुंचे थे। हेमन्त कुमार बघेल व्याख्याता एल.बी., नाजनी व्या.एल.बी., रिकी शर्मा व्या.एल.बी., हरिशचन्द्र वर्मा व्या.एल.बी., डां. दिप्ति सिंह गहरवार व्या.एल.बी., सुअनिता बर्वे व्या., किरण एक्का व्या., पदमा साहू व्या. से.नि., संतगाम यादव व्या.एल.बी., चंचल ठाकुर सहा. शिक्षक विज्ञान, एम.एल. देवांगन स.शि. विज्ञान, टी.नेहा नायडू, सहा.ग्रे.2, मिलाप सिंह राजपूत सहायक ग्रेड-03, विजेन्द्र चौहान स.ग्रे. 3, उमेश कुमार दिल्लीवार शिक्षक पावर ट्रेड शाला निर्धारित समय तक उपस्थित नहीं हुए थे। जिस पर समस्त कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया हैं। पूर्व माध्यमिक शाला भिलाई-03, मे मध्यान्ह भोजन प्रारंभ था जिस पर मिनू अनुसार छात्र-छात्राओं को मध्यान्ह भोजन का लाभ तथा साफ सफाई पर ध्यान देने के निर्देश दिये गये। प्राथमिक शाला जरवाय में निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन निर्धारित मीनू अनुसार प्रदाय करने, बारहखड़ी, पहाड़ा पुस्तक वाचन के नियमित अभ्यास कराने, विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किये जाने तथा नियत समय पर अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिये।

ई-ऑफिस प्रक्रिया और बायोमेट्रिक उपस्थिति का पालन गंभीरता से कराएं अधिकारी : संभाग आयुक्त राठौर

ई-ऑफिस प्रक्रिया में संभाग कार्यालय दुर्ग प्रदेश में अव्वल

दुर्ग। दुर्ग संभाग कार्यालय ई-ऑफिस के माध्यम से फाईल निपटाने में प्रदेश के अन्य संभाग कार्यालयों में अव्वल है। एक जनवरी से लागू इस प्रक्रिया में संभाग कार्यालय दुर्ग में शिकायत, स्थापना, लाइसेंस और राजस्व भू-आबंटन से संबंधित 919 आवेदनों का ई-ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया है। जबकि सरगुजा कार्यालय द्वारा 828, बस्तर द्वारा 641, बिलासपुर द्वारा 142 एवं संभाग कार्यालय रायपुर द्वारा 79 आवेदन ई-ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार दुर्ग जिला ई-ऑफिस काउंट में 8,100 प्रकरण के साथ प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने आज संभागीय कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में उक्त जानकारी देते हुए सभी संभाग स्तरीय कार्यालयों में भी ई-ऑफिस के माध्यम से आवेदन पंजीबद्ध करने पर जोर दिया। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि ई-ऑफिस के क्रियान्वयन एक प्रशासनिक प्रक्रिया है। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी काम-काज में पारदर्शिता लाना, फाईलों के निपटान में तेजी लाना और पेपरलेस गर्वनेंस को बढ़ावा देना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई-ऑफिस केवल एक साफ्टवेयर नहीं है बल्कि कार्य संस्कृति में बदलाव है। सभी विभाग प्रमुख सुनिश्चित करें कि उनके अधीनस्थ कर्मचारियॉ प्रतिदिन लांग-इन करें और ई-फाईलों का निपटान प्राथमिकता के आधार पर करें। संभाग आयुक्त राठौर ने शासन के निर्देशों का हवाला देते हुए अवगत कराया कि सभी शासकीय कार्यालयों के अधिकारी/कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति जरूरी है। अधिकारी/कर्मचारी निर्धारित समयानुसार कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें। उक्त ऑनलाईन उपस्थिति/अनुपस्थिति प्रक्रिया के आधार पर शासन स्तर पर एक्सन लिया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू से महापौर अलका बाघमार ने की दिल्ली में सौजन्य भेंट

दुर्ग। नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार ने दिल्ली में अपने एमआईसी सदस्यो देवनारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शेखर चंद्राकर, शशि साहू एवं पार्षद अजित वैद्य के साथ केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास विभाग के राज्य मंत्री तोखन साहू से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर दुर्ग शहर के समग्र विकास, अधोसंरचना विस्तार, नगरीय सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आत्मीय एवं सार्थक चर्चा हुई। चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने दुर्ग नगर निगम के लिए केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को राज्य सरकार की सहमति से अतिशीघ्र कार्ययोजना बनाकर लागू करने हेतु सहमति प्रदान की तथा शीघ्र सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से दुर्ग शहर के विकास को नई गति और दिशा मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। यह भेंट दुर्ग शहर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम मानी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com